सोमवार
12 फरवरी 2024

पृष्ठ 4

काली खांसी के लक्षण, कारण और इससे बचने के तरीके

पृष्ठ 5

सोशल मीडिया पर जमकर धमाल मचा रही हैं नेहा सिंह

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 18
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

समय और बुद्धि बड़े से बड़े शोक को भी कम कर देते हैं।

– कहावत

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

भाजपा ने किया महिलाओं का सशक्तिकरण: धामी

❑हरिद्वार में महिलाओं ने धामी पर बरसाए फूल
❑रोड शो में उमड़ा भारी जनसैलाब, 1100 करोड़ की योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास

विशेष संवाददाता

हरिद्वार। अपने एकदिवसीय दौरे पर हरिद्वार पहुंचे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज यहां एक बड़ा रोड शो किया जिसमें महिलाओं की भारी भीड़ उमड़ी। वहीं उन्होंने हरिद्वार वासियो को 1100 करोड़ की योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास कर बड़ी सौगात दी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने यहां नारी शक्ति महोत्सव में भी भाग लिया।

हर की नगरी में आज मुख्यमंत्री धामी ने जब देवपुरा चौक से ऋषिकुल चौक तक रोड शो किया तो उस दौरान भारी भीड़ देखी गई। ढोल नगाड़ों के साथ पारंपरिक वाद्य यंत्रों की धुन पर नाचते गाते लोगों ने जमकर मुख्यमंत्री धामी पर फूल वर्षा की। रोड शो में हजारों की संख्या में पहुंची महिलाओं में मुख्यमंत्री धामी के प्रति खासा आकर्षण देखा गया और वह सीएम धामी जिंदाबाद के नारे लगाती भी देखी गई। पूरे रोड शो में भारी भीड़ देखी गई उनका यह रोड शो ऋषिकुल चौक पर जाकर समाप्त हुआ जहां उन्होंने 1100 करोड़ की विकास योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण भी किया।

ऋषिकुल मैदान में आयोजित नारी शक्ति महोत्सव को संबोधित करते हुए

उन्होंने कहा कि आज के दौर में महिलाएं पुरुषों के कंधे से कंधा मिलाकर हर क्षेत्र में काम कर रही हैं। नारी को जब कमजोर और अबला समझा जाता था वह दौर अब समाप्त हो चुका है। आज हमारी माताए और बहनें सभी क्षेत्रों में सराहनीय काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने नारी शक्ति के सशक्तिकरण के लिए जो काम किया है वह इससे पहले किसी भी सरकार द्वारा नहीं किया गया है। केंद्र सरकार द्वारा नारी वंदन अधिनियम लाकर उनके लिए 33 फीसदी आरक्षण का रास्ता साफ कर दिया गया है। उन्होंने यूसीसी का जिक्र करते हुए कहा कि बेटियों को बराबरी के अधिकार दिलाने और सुरक्षा की नजरिया से यह मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा के शासनकाल में महिला सशक्तिकरण को नई दिशा और नई ताकत मिली है। उनके रोड शो में जहां बड़ी संख्या में महिलाओं ने भागीदारी की वहीं भारी संख्या में भाजपा के नेता और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। सीएम धामी कल भी हरिद्वार में रहेंगे क्योंकि कल केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ओवर ब्रिज का लोकार्पण करने आ रहे हैं जिसमें सीएम धामी भी मौजूद रहेंगे।

दंगाइयों पर सख्त कार्रवाई में जुटा प्रशासन

❑बनभूलपुरा में अभी कर्फ्यू, भारी फोर्स तैनात
❑दंगाइयों की धर पकड़ और तलाश में जुटी पुलिस
❑25 आरोपियों के मेडिकल के बाद कोर्ट में पेशी

विशेष संवाददाता

हल्द्वानी। 8 फरवरी को हल्द्वानी में हुई व्यापक हिंसा और आगजनी के बाद भले ही अब शहर की स्थिति सामान्य होती दिख रही हो लेकिन बनभूलपुरा में अभी भी कर्फ्यू जारी है तथा भारी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात है। हल्द्वानी प्रशासन द्वारा दंगाइयों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है और उनकी धर पकड़ जारी है। 25 गिरफ्तार आरोपियों को आज कोर्ट में पेश किया जा रहा है वहीं घरों से फरार आरोपियों की तलाश में दबिशें भी दी जा रही है।

जिलाधिकारी वंदना सिंह का कहना है कि दंगाइयों की पहचान और धर पकड़ का काम जारी है। बनभूलपुरा क्षेत्र के 120 गन लाइसेंसों को निरस्त कर दिया गया है। इनफोर्समेंट की कार्रवाई लगातार जारी है। बनभूलपुरा को छोड़कर पूरे शहर से कर्फ्यू हटा लिया गया है तथा स्थिति सामान्य और नियंत्रण में है। उन्होंने कहा कि दंगाइयों की तलाश की जा रही है। क्षेत्र के लगभग 500 के आसपास घरों पर ताले लगाकर लोग फरार हो चुके हैं। पुलिस की दर्जन भर टीमें आरोपियों की तलाश में जुटी है इनमें से अधिकांश लोगों के नाते रिश्तेदार बरेली में है जहां उनके भागने की संभावना है। उधर पुलिस द्वारा आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले बाहर के लोगों का सत्यापन का काम भी किया जा रहा है। अब तक 6.5 हजार लोगों का सत्यापन किया जा चुका है। बनभूलपुरा, इंदिरा नगर, छोटी लाइन, बड़ी लाइन क्षेत्र के जो लोग घरों से फरार हैं उनकी तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। उधर नगर आयुक्त ◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

कतर में फाँसी की सजा पाने वाले नौसेना के सभी 8 पूर्व अधिकारी रिहा

नई दिल्ली। कतर में 8 भारतीयों को मौत की सजा के मामले में भारत सरकार को बड़ी राजनयिक जीत मिली है। कतर में फाँसी की सजा पाने वाले नौसेना के सभी 8 पूर्व अधिकारियों को रिहा कर दिया गया है। उनमें से 7 लोग भारत वापस आ चुके हैं। कुछ समय पहले ही इनकी फांसी की सजा पर कतर की अदालत ने रोक लगा दी थी। कतर के अमीर के हस्तक्षेप के बाद सभी 8 लोगों को जेल से आजादी मिल गई है। भारत सरकार के विदेश मंत्रालय ने कतर के अमीर के इस फैसले पर खुशी जताई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत सरकार की राजनयिक कोशिशों के चलते कतर ने ये फैसला लिया है। कतर का ये फैसला भारत-कतर के बीच ऐतिहासिक गैस समझौते के कुछ ही दिन बाद आया है। बता दें कि इन सभी लोगों को कथित तौर पर जासूसी के आरोपों में फाँसी की सजा सुनाई गई थी, लेकिन अदालत से लेकर राजनयिक स्तर पर भारत सरकार ने इनकी रिहाई के लिए जोरदार पैरवी की और अब जाकर इन सभी पूर्व नौसैनिकों को रिहा कर दिया गया है।

बिहार में नीतीश सरकार ने हासिल किया विश्वासमत, पक्ष में मिले 129 वोट

पटना। बिहार में नई सरकार के बनने के 15 दिनों बाद आज यानी सोमवार को नीतीश सरकार ने सदन में विश्वासमत हासिल कर लिया है। बिहार विधानसभा में विश्वासमत प्रस्ताव को लेकर पहले चर्चा हुई, फिर ध्वनि मत से विश्वास मत पारित हुआ उसके बाद वोटिंग कराई गई। इस दौरान विपक्ष के लोगों ने वॉक आउट कर दिया। नीतीश सरकार के पक्ष में 129 वोट मिला वहीं विपक्ष में 0 वोट मिले। नीतीश सरकार के सदन में विश्वासमत हासिल करते ही बिहार में पिछले 15 दिनों से जारी सियासी खेल और कयासों का एक

तरह से पटाक्षेप हो गया। सदन में होने वाले फ्लोर टेस्ट से पहले विपक्ष यानी महागठबंधन का दावा था कि सरकार अल्पमत में है लेकिन फ्लोर टेस्ट में विपक्ष का ये दावा गलत साबित हुआ।

मालूम हो कि बिहार विधानसभा में कुल विधायको की संख्या 243 है। सदन में बहुमत साबित करने के लिए 122 विधायकों का समर्थन जरूरी है। एनडीए का शुरू से ही दावा था कि उसके पास 128 विधायकों का संख्याबल मौजूद है, जिसमें बीजेपी के 78, जद-यू के 45, हम के 4 और एक निर्दलीय सुमित कुमार सिंह शामिल हैं जबकि कल जद-यू विधायक दल की बैठक में 5 विधायक नहीं आए थे, वहीं, बीजेपी की बैठक में 2 विधायक नही पहुंचे। सदन में चर्चा के दौरान नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव के अलावा डिप्टी सीएम विजय सिन्हा और सम्राट चौधरी ने भी चर्चा में हिस्सा लिया।

दून वैली मेल

संपादकीय

तुष्टिकरण की राजनीति

यह एक अजीबोगरीब बात या विडंबना ही है कि आजादी के अमृत काल के इस देश में देश की राजनीति की सुई 75 साल बाद भी मंडल कमंडल में ही उलझी हुई है। भले ही देश के नेता और राजनीतिक दल एक दूसरे पर तुष्टिकरण की राजनीति का आरोप लगाते दिख रहे हो लेकिन इस पुष्टिकरण की राजनीति से अलग कोई भी नहीं है। भले ही बात राम मंदिर की हो या यूनिफॉर्म सिविल कोड और सीएए की, घूम फिर कर सभी मुद्दे राजनीति के तुष्टीकरण पर जाकर ही टिकते हैं। आरक्षण का मुख्य आधार भले ही सामाजिक और आर्थिक समानता का हो लेकिन देश में आरक्षण की व्यवस्था लागू होने से लेकर अब तक इस मुद्दे पर तुष्टिकरण की राजनीति इस कदर हावी रही है कि आरक्षण के कोटे की सीमाएं समाप्त होने के बाद भी इसकी मांग कम होती नहीं दिख रही है। जिन्हे आरक्षण मिल चुका है उनका इस आरक्षण में कितना भला हो सका है यह अलग बात है लेकिन यह आरक्षण किसे-किसे दिया जाए और किस-किस आधार पर दिया जाए तथा कब तक दिया जाए इसका कोई सीमाएं तय नहीं है। अभी अपनी न्याय यात्रा के दौरान कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने अपने एक जन संबोधन में कहा कि पीएम मोदी जन्म से ओबीसी नहीं है। ओबीसी को लेकर आरक्षण पर जो व्यवस्था अभी केंद्र सरकार द्वारा की गई है उसके संदर्भ में उनका यह बयान आरक्षण की व्यवस्था की स्थिति को बताने के लिए काफी है। जिसे एक बार आरक्षण के दायरे में सरकार ले आई अब मजाल नहीं कोई उनसे आरक्षण की व्यवस्था को छीन ले या समाप्त करने पर उन्हें सहमत कर लिया जाए। अभी पीएम मोदी द्वारा भारत रत्न के नामों की घोषणा की गई। इसमें जिन भी नामों को शामिल किया गया क्या उनके बारे में आप या कोई भी उनके राजनीतिक नि:तार्थ निकाले बिना रह सकता है। बात चाहे बिहार के कर्पूरी ठाकुर की हो या पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव की हो अथवा पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी के नाम की सबके पास इन भारत रत्न सम्मानों को कुछ न कुछ कहने की जरूरत है जो इन सम्मानों पर होने वाली तुष्टिकरण की राजनीति को चिन्हित करता दिखता है। इस देश का सच यही है कि यहां राजनीति का मतलब ही तुष्टिकरण है। हिंदू, मुस्लिम, सिख, इसाई, मंदिर-मस्जिद, गुरुद्वारा, आरक्षण, क्षेत्र भाषा और महिला-पुरुष यहां सभी कुछ राजनीतिक तुष्टिकरण के मुद्दे हो चुके हैं। विभाजन की लाइन इतनी अधिक खींची जा चुकी है कि किसी भी लाइन की यह पहचान मुश्किल हो गई है कि कौन सी लाइन किसकी है। इस सब के बीच आम आदमी और उसकी समस्याएं इतनी पीछे धकेली जा चुकी है कि वह अब राजनीति के लिए मुद्दों में भी शुमार नहीं की जा सकती है। 2024 का आम चुनाव होने वाला है क्या इस चुनाव से पूर्व आपको कहीं महंगाई की या बेरोजगारी की अथवा गरीबी की, भ्रष्टाचार की कोई चर्चा होती दिख रही है शायद नहीं। क्योंकि देश के नेताओं की नजर में अब अपनी धार्मिक धरोहरों का संरक्षण समान नागरिक संहिता और सी ए ए जैसे मुद्दे या फिर आरक्षण जैसे मुद्दे ही सबसे महत्वपूर्ण हो चुके हैं। महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण और सामान नागरिक संहिता में प्राथमिकता दिए जाने से ऐसा लग रहा है कि उनकी राजनीतिक पिपाशा और महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए यही काफी है। राजनीति का पूरा फोकस सिर्फ महिला तुष्टिकरण पर आकर टिक गया है। खास बात यह है कि नेताओं द्वारा अब इस तुष्टिकरण को संतुष्टीकरण का नाम देने में भी कोई संकोच नहीं किया जा रहा है।

भैरव सेना ने उपद्रव करने वालों पर एनएसए लगाने की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

संवाददाता

देहरादून। हल्द्वानी की घटना पर उपद्रव करने वालों पर एनएसए लगाये जाने की मांग को लेकर भैरव सेना ने जिलाधि कारी कार्यालय में प्रदर्शन कर जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया।

आज यहां 8 फरवरी को हल्द्वानी में अवेध कब्जा हटाने गये पुलिस और नगर निगम की टीम पर घात लगाकर हमला करने वालों के विरुद्ध राजद्रोह के अन्तर्गत एनएसए (राष्ट्रीय सुरक्षा कानून) की ध राएं लगाकर कड़ी से कड़ी सजा के साथ भारतीय नागरिकता भंग करने की मांग को लेकर भैरव सेना संगठन ने प्रदेश अध्यक्षा अनिता थापा के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकर्ताओं सहित प्रदर्शन कर जोरदार नारेबाजी के साथ जिलाधिकारी देहरादून के माध्यम से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नाम मांगपत्र सौंपा। प्रदर्शन में पहुंचे संगठन के केंद्रीय अध्यक्ष संदीप खत्री ने कहा की देवभूमि उत्तराखंड कोई शरण स्थली नहीं, जहां पर जिसका मन आए और अवैध कब्जे कर के बस जाए। एक रिपोर्ट के अनुसार पलायन हो रहे उत्तराखंड में 30 प्रतिशत से अधिक की आबादी 10 वर्षों में तेजी से बड़ी है। वन निगम तथा नदियों के किनारे सरकारी भूमियों में जबरन कब्जा कर अवैध ध र्मिक स्थल बनकर रातों रात खड़े हो रहे हैं। जिनका ध्वस्तिकरण करने के लिए प्रशासन को एड़ी चोटी का प्रयास करना पड़ता है। हल्द्वानी में हुई ताजी घटना इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है, जहां पर राज्य ओर देश की आंतरिक सुरक्षा में लगे पुलिस कर्मियों पर हमले से भी अवैध कब्जाधारी बाज नहीं आते। जिला अध्यक्ष गणेश जोशी तथा सुजाता रावत ने कहा की पुलिस कर्मियों पर हमला करने वालों की जांच कर कर, उन पर राजद्रोह का मुकदमा दर्ज कर भारतीय सुरक्षा कानून के अंतर्गत कार्यवाही हो तथा भारतीय नागरिकता रद्द करने की भी कार्रवाई की जाए। ताकि आने वाले समय में इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति करने का साहस किसी के अन्दर ना हो पाए। देश का सांप्रदायिक माहौल और एकता बनाए रखने के लिए शांति भंग करने वालों को बिल्कुल भी ना बक्शा जाए। क्योंकि पुलिस और सेना पर हमला करना देशद्रोह से कम नहीं। ज्ञापन कार्यक्रम में मुख्य रूप से काजल चौहान, करण शर्मा, अनुष्का बर्तवाल अनु राजपूत, प्रेम शंकर, हेमंत सकलानी, प्रवीण कालरा, राजकुमार आरजू सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गुसाईं पर रासुका लगाने की मांग को लेकर राज्यपाल को भेजा ज्ञापन

संवाददाता

देहरादून। राष्ट्रवादी सिक्ख मोर्चा ने राष्ट्रीय उत्थान पार्टी के अध्यक्ष नवनीत गुसांई पर रासुका लगाने की मांग को लेकर जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन कर जिला प्रशासन के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन प्रेषित किया।

आज यहां राष्ट्रवादी सिक्ख मोर्चा के कार्यकर्ता राष्ट्रवादी स्वाभिमानी पंजाबी मोर्चा के संयोजक कुलदीप सिंह ललकार के नेतृत्व में जिला मुख्यालय पहुंचे जहां पर उन्होंने प्रदर्शन कर जिला प्रशासन के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि कुछ दिन पूर्व राष्ट्रीय उत्थान पार्टी के अध्यक्ष नवनीत गुंसाई द्वारा राज्य के प्रथम नागरिक राज्यपाल गुरूमीत सिंह व पूर्व राज्यपाल सुरजीत सिंह बरनाला के विरूद्ध आपत्तिजनक भाषा में भ्रष्टाचारी व अन्य शब्दों का प्रयोग कर राज्य के नागरिकों का अपमान किया है वहीं सिक्ख समुदाय को पाकिस्तान भेज देने की धमकी देकर अपने नागरिक अधिकारों का दुरूपयोग कर ना केवल धार्मिक भावनाएं आहत की है अपितु सामाजिक विद्वेष फैलाकर उत्तराखण्ड जैसे शांत राज्य में आकरण अशांति फैलाने का प्रयास इने द्वारा विडियों जारी कर किया गया।

उन्होंने मांग की है कि उक्त व्यक्ति पर विधि सम्मत व रासूका लगाने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। उन्होंने निर्वाचन आयोग से उत्थान पार्टी की मान्यता समाप्त करने की मांग की। ज्ञापन देने वालों में धारा सिंह, सोनू सतीश कपूर आदि लोग शामिल थे।

धोखाधड़ी का आरोपी पश्चिमी बंगाल से दबोचा

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। फ्रिज ठीक कराने के लिए गूगल से नम्बर सर्च कर, जानकारी लेना एक व्यक्ति को भारी पड़ गया। ठगों ने उसके खाते से 90 हजार रूपये को धोखाध ड़ी कर निकाल लिया गया। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीती 13 दिसम्बर को मनोज कुमार पटियाल निवासी बूंगा द्वारा साईबर सैल पिथौरागढ़ में तहरीर देकर बताया गया था कि उन्होंने फ्रिज को ठीक कराने हेतु कस्टमर केयर नम्बर गूगल में सर्च किया तो किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उनके साथ बात की गयी तथा फर्जी तरीके से उनके खाते से 91300 रूपये की ठगी कर ली गया है। मामले में पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जांच के दौरान पुलिस ने साईबर सेल की मदद से आरोपी मनोज कुमार दास पुत्र मनमथ दास निवासी कूच बिहार, पश्चिम बंगाल को थाना पुन्डीबरी क्षेत्र के कूच बिहार से गिरफ्तार कर लिया गया है।

अचोदसो नो धन्वन्त्विन्दव: प्र सुवानासो बृहद्दिवेषु हरय:।
वि च नशन्न इषो अरातयोऽर्यो नशन्त सनिषन्त नो धिय:।।
(ऋग्वेद ९-७९-१)

अंधकार व दुख को हरने वाला और आनंदपूर्ण प्रभु का रस हम जिज्ञासुओं को मुक्ति के पथ पर ले जाए। जो हमारे समाज की उन्नति के लिए किए जाने वाले हमारे यज्ञों में बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। ऐसे शत्रुओं (काम, क्रोध, लोभ, आदि) को नष्ट कर दें।

शेवेनिंग और डीआईटी विश्वविद्यालय ने आयोजित की संयुक्त कार्यशाला

देहरादून (कासं)। डीआईटी विश्वविद्यालय ने उत्तराखंड में कम प्रतिनिधित्व वाले समुदायों के छात्रों के लिए शेवनिंग एलुमनी प्रोग्राम फंड से वित्त पोषित शेवनिंग स्कॉलरशिप के सहयोग से एक दिवसीय नेतृत्व और सॉफ्ट-कौशल विकास कार्यशाला की मेजबानी की। शेवनिंग स्कॉलरशिप यूके सरकार का अंतर्राष्ट्रीय छात्रवृत्ति कार्यक्रम है जो विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय द्वारा वित्त पोषित है।

कार्यशाला में देहरादून के डीआईटी यूनिवर्सिटी, तुला इंस्टीट्यूट, ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी, ग्राफिक एरा डीम्ड यूनिवर्सिटी, गवर्नमेंट पीजी कॉलेज, एमकेपी कॉलेज, श्री देव सुमन यूनिवर्सिटी, हिमगिरी जी यूनिवर्सिटी के 100 छात्रों को लक्षित किया गया। इस सहयोगात्मक कार्यक्रम ने प्रतिभागियों को उच्च शिक्षा के अवसरों को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक कौशल और

ज्ञान से सुसज्जित किया। इन छात्रों को नेतृत्व विकास, सॉफ्ट-कौशल वृद्धि और छात्रवृत्ति आवेदन रणनीतियों में मूल्यवान अंतर्दृष्टि भी प्रदान की गई। कार्यक्रम में वक्ताओं ने छात्रों का भरपूर मार्गदर्शन किया।

वक्ताओं में जी. रघुरामा, कुलपति, डीआईटीयू श्रीमती सुप्रिया चावला, प्रमुख, शेवनिंग स्कॉलरशिप, भारत और श्री. प्रद्युम्न बोरा, वरिष्ठ कार्यक्रम एवं संबंध प्रबंधक, शेवनिंग स्कॉलरशिप, ब्रिटिश उच्चायोग। श्रीमती राधिका झा (आईएएस 2002 बैच), सचिव, उत्तराखंड सरकार श्री. श्री बीवीआरसी पुरूषोत्तम (आईएएस 2004 बैच), सचिव, उत्तराखंड सरकार श्री. अर्जुन शंकर (पर्यावरण अर्थशास्त्री, वेल लैब्स) ने अपने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के दौरान डॉ. सैमुअल अर्नेस्ट रजिस्टर, डॉ. नवीन सिंघल, चीफ प्रॉक्टर और डीन एलुमनी रिलेशंस, श्री अभिषेक सरकार मैनेजर सीडीसी विभाग, श्री विभोर शर्मा, डॉ. सुकन्या शर्मा, पारुल कालिया और सुरेंद्र दत्त अवस्थी, डॉक्टर मोनिका श्रीवास्तव भी उपस्थित थे।

इमरान हाशमी-नसीरुद्दीन शाह की सीरीज शो टाइम का फर्स्ट लुक हुआ जारी

इमरान हाशमी और नसीरुद्दीन शाह स्टारर सीरीज 'शोटाइम' का फैंस को बेसब्री से इंतजार है. वहीं मेकर्स ने फैंस की एक्साइटमेंट को बढ़ाते हुए इस सीरीज का फर्स्ट लुक रिवील कर दिया है. इस सीरीज में मौनी रॉय, राजीव खंडेलवाल, विजय राज और श्रिया सरन भी अहम रोल में नजर आएंगें. 'शोटाइम' ओटीटी

प्लेटफॉर्म डिज़्नी+हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी. इसका निर्देशन मिहिर देसाई और अर्चित कुमार ने किया है. शोटाइम सीरीज कैमरे के पीछे छिपी अनदेखी दुनिया की कहानी बयां करेगी.

ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज़्नी+हॉटस्टार ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर 'शोटाइम' का फर्स्ट लुक शेयरक किया है. सीरीज के फर्स्ट लुक में सभी कलाकार काफी इंटेंस लुक में नजर आ रहे हैं. जैसे ही इस सीरीज का पोस्टर शेयर किया गया फैंस ने भी कमेंट सेक्शन में तारीफ करना शुरू कर दिया. कई यूजर्स ने मौनी रॉय की तारीफ की है. एक ने लिखा, एक बैकग्राउंड डांसर से लेकर बॉलीवुड की सबसे खूबसूरत अभिनेत्री तक. एक अन्य ने लिखा, क्योंकि सास भी कभी बहू थी से लेकर ब्रह्मास्त्र, दिल्ली का सुल्तान, अब शो-टाइम !! मौनी रॉय बहुत आगे आ गई हैं.

इस सीरीज के बारे में बात करते हुए, करण जौहर ने कहा था, शोटाइम एक ऐसी सीरीज है जो मेरे दिल के बहुत करीब है, यह शोबिज़ के पावर स्ट्रग्ल पर करीब से नज़र डालती है. यह शो यह सुनिश्चित करेगा कि बैटल की लाइन खींची और पार की जाएंऔर दर्शकों की तालियों के साथ कैमरा चालू रहे. इतनी मजबूत और सशक्त कहानी बताने के लिए डिज्नी+हॉटस्टार से बेहतर कोई साथी नहीं हो सकता था. हम दर्शकों के लिए इसे लाने के लिए बेहद उत्साहित और उत्सुक हैं और उम्मीद करते हैं कि वे इस सीरीज को एंजॉय करेंगे.

इमरान हाशमी ने भी शो के लिए एक्साइटमेंट जाहिर करते हुए कहा था, इतने लंबे समय तक इंडस्ट्री में रहने के कारण, मैंने इसके अच्छे और बुरे दोनों पक्ष देखे हैं, इसलिए जब यह शो मेरे पास आया, तो मैंने इसका हिस्सा बनने का अवसर जब्त कर लिया. डिज़्नी+हॉटस्टार और धर्मॉटिक एंटरटेनमेंट को इंडस्ट्री में सबसे क्वालिटी स्टोरीटेलर में से कुछ के रूप में जाना जाता है और उनके साथ सहयोग करना एक अविश्वसनीय अनुभव रहा है. हमने दर्शकों को हमेशा यह जानने के लिए उत्सुक देखा है कि बॉलीवुड के बंद दरवाजों के पीछे क्या चल रहा है और मैं बस इतना कहना चाहता हूं - हमने आप सभी को सुना है! बॉलीवुड की कहानियों में गहराई से उतरने के लिए तैयार हो जाइए!

आकांक्षा पुरी ने ब्लू बिकनी में शेयर की स्टनिंग तस्वीरें, फैंस हुए मंत्रमुग्ध

आकांक्षा पुरी भले ही किसी फिल्म का हिस्सा ना बनी हों लेकिन सोशल मीडिया पर वो बवाल काटती रहती हैं। इस वक्त उनका एक पोस्ट सामने आया है जो कि आपको हैरान करने के लिए काफी है। वायरल हो रही इन तस्वीरों में आप उनका अंदाज देखकर हैरान होने वाले हैं। सिर्फ ब्रा और पैंटी में आकांक्षा पुरी ने पूल की सीढियों में खड़े होकर तापमान में इजाफा किया है। जाहिर है कि उनका सेक्सी फिगर देखकर आप हैरान होने वाले हैं। जो भी उनको एक नजर देख रहा है वो वहीं रुक रहा है। आकांक्षा ने एक के बाद एक ढेरों तस्वीरें पोस्ट की हैं और उनको देखकर लोग हैरान हैं। गौरतलब है कि आकांक्षा पुरी इस ने अपनी सेक्सी अदाओं से लोगों को दिलों को जीत लिया है। इन तस्वीरों के साथ आकांक्षा ने कैप्शन लिखा है, स्पलैश स्पलैश। इसके बाद लोग लगातार कमेंट्स कर रहे हैं। एक ने लिखा है, कोई प्लीज फायर ब्रिगेड बुलाओ। एक ने लिखा, वाह क्या सीन है यार। एक ने लिखा, हॉटी है। एक ने लिखा, इसने भी औकात दिखा दी। एक का कहना था, बहुत खूब। मैं अपने मन को नियंत्रित नहीं कर सकता। मेरा दिमाग घूम रहा है। एक ने लिखा, बेहद सेक्सी मुझे 2008 की याद दिलाती है। इस तरह से लोग लगातार रिएक्शन दे रहे हैं। हालांकि सोशल मीडिया पर आकांक्षा ने किसी तरह का कोई जवाब नहीं दिया है। बिग बॉस ओटीटी में टास्क के दौरान आकांक्षा ने जाद हदीद के साथ 30 सेकेंड तक दोनों ने लिपलॉक किया था और इस किसिंग वीडियो ने बवाल काट दिया था। सलमान खान ने बाद में दोनों को लताड़ लगाई थी। बिग बॉस हाउस के सफरल की बात करें तो जद हदीद आकांक्षा पुरी पर पहले दिन से ही काफी फिदा थे। जब से आकांक्षा ने पलक पुरसवानी के साथ घर में एंटर किया था, जद अपना पूरा ध्यान आकांक्षा पर लुटा रहे थे।

सेहत के लिए अच्छा होता है उबासी लेना ?

आप में से ज्यादा लोगों को देखा होगा कि उठने के बाद कुछ लोग अपने बेड पर बैठे-बैठे ही कई बार उबासी लेते हैं। वैसे तो उबासी लेना एक बहुत ही नेचुरल प्रोसेस है। जिसे कंट्रोल नहीं कर सकते है। यही वजह है कि उबासी यानी जम्हाई पर ज्यादातर लोग ध्यान भी नहीं देते है। हालांकि उबासी को ज्यादातर आलस या फिर से साथ जोड़ा जाता है। लेकिन क्या आप इस बात को जानते हैं कि उबासी लेने से हमारे शरीर को कई सारे फायदे मिल सकते है। अगर नहीं तो चलिए आज हम आपको बताते हैं उबासी लेने के बेहतरीन फायदों के बारे में।

1. उबासी लेने के दौरान व्यक्ति मुंह खोलकर कूल एयर सास के साथ अंदर लेता है। इससे ज्यादा ऑक्सीजन ब्रेन तक जाती है। जिससे ब्रेन की हार्ट ब्लड को नीचे की ओर स्लो होने और उसकी जगह खून ब्लड के पहुंचने में मदद मिलती है। यह दिमाग के ओवरऑल तापमान को कम करने में मदद करता है।

2.उबासी लेने के दौरान हम बहुत गहरी सांस लेते है। जिससे ऑक्सीजन के ज्यादा आती है और इससे बॉडी में जमा हुई कार्बन डाइऑक्साइड शरीर से बाहर निकालने में मदद करती है। यह आपके दिमाग के लिए बहुत अच्छा माना जाता है।

3. वैसे तो ज्यादातर लोग उबासी को नींद के साथ जोड़ते है। लेकिन क्या आप इस बात को जानते हैं कि यह व्यक्ति को अलर्ट रखने में मदद करती है। उबासी शारीरिक क्रिया की श्रेणी में आती है और जब तक किसी भी तरह की फिजिकल एक्टिविटी होती रहती है। तब तक व्यक्ति सो नहीं पाता है।

4. इस बार तो शायद आपने भी गौर किया होगा कि फ्लाइट में अक्सर एयर प्रेशर के कारण हमारे कान बंद हो जाते हैं जिससे हमें कान में तेज दर्द होने लगता है इस स्थिति में अगर आप उबासी लेंगें तो आपके कान का दर्द अपने आप बंद हो जायेगा।

5. एक स्टडी के मुताबिक दिमाग जब ज्यादा स्ट्रेस में होता है तो से बचने के लिए शरीर की पहली प्रतिक्रिया हुआ सी होती है। टॉक्सिन रिलीज करने और ऑक्सीजन ब्लड प्रेशर को सुधारने में भी मदद मिलती है।

गले में खराश या सूजन से हैं परेशान तो अपनाएं ये घरेलू उपाय, तुरंत मिलेगा आराम

गले में खराश हो जाना काफी आम समस्या होती है। सर्दी के मौसम में ज्यादातर लोग इस समस्या से परेशान रहते हैं। इसकी कई वजह हो सकती है। गले में खराश की एक वजह इंफेक्शन और सूजन भी होती है। इससे कई बार गला बैठ भी जाता है। कई बार धूप से आने के तुरंत बाद पानी पीने से भी ये दिक्कत हो जाती है। ऐसे में अगर आप इस समस्या से बचना चाहते हैं तो कुछ घरेलू उपाय आपकी मदद कर सकते हैं और जल्दी ही आराम दिला सकते हैं। आइए जानते हैं।।।

गले में खराश से छुटकारा पाने के घरेलू उपाय

नमक-पानी से गरारा

गले में खराश से राहत पाने का सबसे आसान और सरल तरीका है नमक के पानी से गरारे करना । दरअसल, नमक के एंटीबैक्टीरियल होने से गले की खराश की समस्या जल्दी खत्म हो सकती है। दिन में तीन से चार बार गरारे गले को आराम पहुंचा सकता है ।

हल्दी वाला दूध

औषधीय गुणों से भरपूर हल्दी सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होती है। गले की खराश से आराम पाना है तो एक गिलास दूध में हल्दी मिलाकर पिएं। इससे काफी आराम मिलता है । आप चाहें तो एक गिलास पानी में हल्दी डालकर पांच मिनट तक उबालें और फिर उससे गरारे करें । दिन में दो से तीन बार ऐसा करने से गले के सूजन और दर्द में जल्दी आराम मिल सकती है ।

कैमोमाइल चाय

औषधीय गुणों वाली कैमोमाइल चाय गले के इंफेक्शन और खराश से छुटकारा दिला सकती है । इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटीऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं, जो आंख, नाक और गले के सूजन में आराम दिलाने में मदद कर सकते हैं ।

स्टीम लेना फायदेमंद

गले में अगर ज्यादा सूजन है और बोलने में परेशानी हो रही है तो स्टीम ले सकते हैं । इससे ब्लॉक खुलता है और ब्लड सर्कुलेशन अच्छा होता है । दिन में कम से कम तीन से चार बार स्टीम लेने से गले की समस्या से काफी आराम मिल जाता है ।

थायराइड के रोगियों के लिए वरदान है सर्वांगासन

सर्वांगासन के नाम से ही स्पष्ट है कि यह आसन सभी अंगों के लिए है। जो लोग व्यायाम या योग करना नहीं जानते हैं या जिनके पास समय नहीं है, उन्हें कम से कम एक बार सर्वांगासन का अभ्यास करना चाहिए। इसके कई फायदे हैं। महिलाओं के लिए, यह एक वरदान की तरह है। इस सीट से उनकी कई समस्याएं हल हो जाती हैं। प्रारंभ में आप दीवारों के खिलाफ झुककर भी ऐसा कर सकते हैं। प्रतिदिन इस आसन का अभ्यास करने से ऐसा करने में आसानी होगी।

सर्वसंगासन कैसे करें

सबसे पहले आप अपनी पीठ के बल सोएं। फिर अपने पैरों, कूल्हों, कमर को उठाएं, सभी भार अपने कंधों पर ले जाएं। अपने हाथों से पीठ को सहारा दें ताकि संतुलन बना रहे।

बाजुओं और कूल्हों को सीधा रखें, कोहनियों को ज़मीन पर रखें। पैरों और कूल्हों को सीधा रखें। पूरे शरीर का भार कंधों और ऊपरी बाँहों पर होना चाहिए। पैर कड़े और सीधे होने चाहिए। पैर की उंगलियों को नाक की ओर निर्देशित किया जाना चाहिए। एक गहरी सांस लें और 30 सेकंड के लिए इस स्थिति में रहें।

सर्वांगासन के लाभ्र

* थायरॉयड ग्रंथि को सक्रिय करता है, और उनका पोषण करता है।

* हृदय की मांसपेशियों को सक्रिय करता है और हृदय को शुद्ध रक्त पहुंचाता है। बांझपन और गर्भपात जैसी समस्याओं को दूर करता है।

* मासिक धर्म की ऐंठन को कम करता है।

* कब्ज से राहत दिलाता है, पाचन क्रिया को सक्रिय करता है।

* थकान और कमजोरी से राहत दिलाने में फायदेमंद।

* बाजुओं और कंधों को मजबूत बनाता है। पीठ को लचीला बनाता है।

* रक्त की आपूर्ति को नियंत्रित करके मस्तिष्क को पोषण देता है। मोटापा कम करता है।

सिर्फ रोज डे ही नहीं, वेलेंटाइन डे पर भी दे गुलाब!

फरवरी आते ही गुलाबों की बिक्री बढ़ जाती है। कई कपल्स बेताबी से वैलेंटाइन वीक का इंतजार करते हैं। वैलेंटाइन वीक 7 फरवरी से शुरू होता है और 14 फरवरी को वैलेंटाइन डे तक चलता है। इस हफ्ते में, टेडी डे, चॉकलेट डे जैसे विभिन्न दिन मनाए जाते हैं। वैलेंटाइन वीक कम से कम एक त्योहार के बराबर है। यह हफ्ता 7 फरवरी को रोज डे से शुरू होता है। रोज डे पर, लोग एक दूसरे को गुलाब के फूल भेजकर अपने भावनाओं को व्यक्त करते हैं। लेकिन गुलाब के फूल देने की प्रक्रिया अन्य दिनों पर भी जारी रहती है। कुछ प्रेमी अपने साथी को लाल गुलाब से अपना प्रेम व्यक्त करते हैं। तो कुछ लोग येलो, व्हाइट, पिंक रंग के गुलाब भेजकर रोज डे, हग डे, प्रमिस डे, प्रपोज डे और वैलेंटाइन डे की शुभकामनाएं देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि हर रंग का गुलाब अपनी अलग पहचान होती है और यह एक विभिन्न प्रकार की भावना को व्यक्त करता है।

लाल गुलाब

लाल रंग प्रेम और उत्साह का प्रतीक है। लोग अपने पार्टनर के साथ इसे लाल गुलाब के माध्यम से अपना प्रेम व्यक्त करते हैं। इसी कारण है कि लाल गुलाब न केवल रोज डे बल्कि पूरे वैलेंटाइन वीक में सबसे अधिक मांगा जाने वाला है और इसकी कीमत भी अन्य गुलाबों के मुकाबले काफी बढ़ जाती है।

पिंक गुलाब

पिंक रंग बहुत सी लड़कियों का पसंदीदा है। पिंक गुलाब सौंदर्य और ल'जा का प्रतीक माना जाता है। हल्का पिंक गुलाब सहानुभूति को दर्शाता है और गहरा पिंक गुलाब कृतज्ञता की भावना को दर्शाता है।

सफेद गुलाब

सफेद रंग पवित्रता, सरलता और शांति का प्रतीक है। सफेद गुलाब उसके प्रति प्रेम, इ'जत और सम्मान दिखाने के लिए दिया जाता है। कई लोग हर दिन अपने माता-पिता और अन्य परिवार के सदस्यों को भी सफेद गुलाब देते हैं। यदि आप किसी से माफी मांगना चाहते हैं, तो आप सफेद गुलाब की मदद ले सकते हैं।

बैंगनी गुलाब

हल्का बैंगनी रंग को लैवेंडर रंग कहा जाता है। लैवेंडर गुलाब अपनी दिखाई में जितना सुंदर है, उसका अर्थ भी उतना ही अद्भुत है। लैवेंडर रंग मायावी या मोहित होने का प्रतीक माना जाता है। लैवेंडर गुलाब को अक्सर एकतरफ़ा प्रेम व्यक्त करने के लिए दिया जाता है। (आरएनएस)

आखिर क्यों आती है खाना खाने के बाद छींक! वजह जान रह जाएंगे हैरान

ज्यादा तीखा खाने के बाद कुछ लोग छींकने लगते हैं तो कुछ लोगों की नाक बहने लगती है। चलिए जानते हैं कि इसके पीछे की वजह क्या हो सकती है। भोजन के बाद छींक क्यों आती है। अक्सर आपने गौर किया होगा कि खाने के तुरंत बाद कुछ लोगों को छींक आने लगती है। कई बार लोग खाने के तुरंत बाद एक बार छींकते हैं तो कई लोगों को एक से ज्यादा बार छींक आती है। कुछ लोगों को भोजन करने के बाद नाक से पानी पहने की भी शिकायत होती है। ऐसा क्यों होता है, आप भी इसे लेकर सोचते होंगे। डॉक्टर कहते हैं कि भोजन के बाद आने वाली छींक को गस्टेटरी राइनाइटिस कहते हैं। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। जैसे जैसे उम्र बढ़ती है, भोजन के बाद आने वाली छींक की संख्या बढ़ती जाती है। चलिए आज इस बारे में बात करते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट का कहना है कि गस्टेटरी राइनाइटिस दरअसल खाने के बाद नॉनएलर्जिक रिएक्शन है। कई बार ज्यादा मसालेदार भोजन खाने या फिर ज्यादा गर्म भोजन करने के बाद नाक की नली में सूजन आ जाती है। आपको बता दें कि नाक की नली में कई तरह के रिसेप्टर्स होते हैं जो तीखे भोजन के चलते छींक को ट्रिगर करते हैं। ये रिसेप्टर्स कैप्साइसिन नामक यौगिक की मौजूदगी में ट्रिगर करते हैं। ये यौगिक मिर्च और तीखी चीजों में पाया जाता है। अगर कोई ज्यादा तीखी चीज खाता है तो उसके चलते रिसेप्टर्स रिएक्ट करते हैं और व्यक्ति को छींक आने लगती है। हेल्थ एक्सपर्ट ने रिसेप्टर्स के साथ साथ वायरस और बैक्टीरिया को भी छींक का कारण मान है। कई बार बैक्टीरिया युक्त भोजन करने या नाक के जरिए वायरस की चपेट में आने के कारण भी व्यक्ति को छींक आने लगती है। तीखे भोजन के साथ साथ दूध, अंडे, सोया, मूंगफली और ट्री नट्स भी इस तरह की एलर्जी को ट्रिगर करते हैं जिससे छींक आने लगती है। गस्टेटरी राइनाइटिस के चलते भोजन के बाद छींक आना हालांकि बड़ी समस्या नहीं है। लेकिन अगर ये ज्यादा परेशान करती है तो एलर्जी वाले भोजन से दूरी बनाकर इससे राहत पाई जा सकती है। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

काली खांसी के लक्षण, कारण और इससे बचने के तरीके

यदि आप या आपका बच्चा कुछ दिनों से तेज खांसी से परेशान हैं तो हम आपके लिए हैं कुछ खास टिप्स। 100 दिनों की लंबी खांसी को पर्टुसिस या काली खांसी भी कहा जाता है। मौसम बदलने के कारण कुछ जगहों पर इस बीमारी के लगातार केसेस बढ़ रहे हैं। लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या सच में यह लंबी बीमारी है? इससे कैसे बच सकते हैं? आज हम इस आर्टिकल के जरिए आपको काली खांसी के लक्षण, कारण और इससे बचने के तरीका के बारे में बताएंगे।

100 दिन की खांसी क्या है?

100 दिन तक रहने वाली खांसी को पर्टुसिस भी कहते हैं। यह एक गंभीर खांसी है जिसमें सांस की नली में इंफेक्शन हो जाता है। इसमें वैक्सीन लेना बेहद जरूरी हो जाता है। खासकर अगर छोटे बच्चे को यह खांसी शुरू हो जाए तो उन्हें बिना समय गवाएं डॉक्टर के पास ले जाए। अगर इससे पीड़ित मरीज को यह हो जाए तो उसे खांसने, छींकने या बात करने से भी फैलता है। कोई भी व्यक्ति पर्टुसिस से पीड़ित हो सकता है, यह शिशुओं और छोटे बच्चों के लिए विशेष रूप से खतरनाक हो सकता है, जिनकी इम्युनिटी कमजोर है उन्हें यह बीमारी तुरंत अपना शिकार बना लेती है।

काली खांसी के लक्षण-

शुरुआती लक्षण (1-2 सप्ताह)

बहती या भरी हुई नाक, हल्का बुखार, हल्की खांसी (बच्चों को बिल्कुल भी खांसी नहीं हो सकती है लेकिन एपनिया या सायनोसिस का अनुभव हो सकता है)। इन लक्षणों को आसानी से सामान्य सर्दी समझ लिया जा सकता है, जिसके कारण यह बीमारी लंबे दिनों परेशान करने लगती है।

बाद के लक्षण (2-10 सप्ताह)

तेज खांसी के दौरे, अक्सर रात में परेशानी का बढ़ना। जैसे ही कोई व्यक्ति सांस लेता है, तेज खांसी होने लगती है। उल्टी, थकान और सांस लेने में कठिनाई भी हो सकती है।

काली खांसी के कारण-

पर्टुसिस के पीछे अपराधी बोर्डेटेला पर्टुसिस जीवाणु है। जब कोई संक्रमित व्यक्ति खांसता है, छींकता है या बात करता है तो यह हवा के जरिए आसानी से फैलता है। किसी संक्रमित व्यक्ति के निकट संपर्क से काली खांसी होने का खतरा काफी बढ़ जाता है।

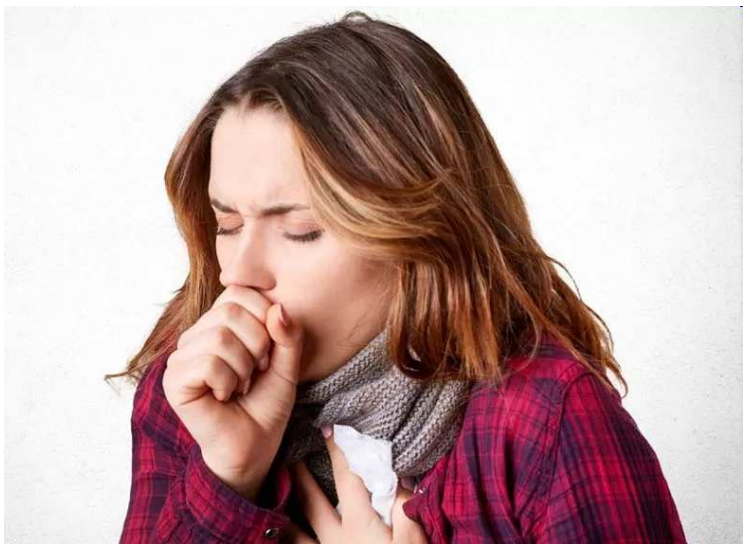

इलाज

लक्षणों की गंभीरता को कम करने और संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए पर्टुसिस का शीघ्र पता लगाना और सही दिशा में इलाज बेहद महत्वपूर्ण है। एज़िथ्रोमाइसिन या एरिथ्रोमाइसिन जैसे एंटीबायोटिक्स आमतौर पर पर्टुसिस से पीड़ित व्यक्तियों को दिए जाते हैं। ये दवाएं लक्षणों की अवधि और गंभीरता को कम करने और दूसरों में संक्रमण फैलने की संभावना को कम करने में मदद कर सकती हैं।

रोकथाम

पर्टुसिस को रोकने के लिए टीकाकरण सबसे प्रभावी तरीका है। डीटीएपी (डिप्थीरिया, टेटनस और असेल्यूलर पर्टुसिस) टीका नियमित रूप से शिशुओं और छोटे बच्चों को दिया जाता है। जो काली खांसी और इसकी जटिलताओं से सुरक्षा प्रदान करता है। इसके अलावा नौजवानों और वयस्कों के लिए इम्युनिटी बनाए रखने के लिए टीडीएपी नामक बूस्टर वैक्सीन दी जाती है। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य - 69

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. समाप्ति, खात्मा 3. रोगी, बीमार 5. गंभीरता, गहराई 6. बलपूर्वक, जबरदस्ती, व्यर्थ 9. लानत, तिरस्कार सूचक एक शब्द 10. लक्ष्मी, कमला 11. औषधालय 13. नाव खेने का लकड़ी का यंत्र 14. सतह, 'लेवल' 15. बिजली, तड़ित 17. चौकसी, सावधानी, बचाव 19. कहने वाला, वाचनकर्ता 20. सुंदर, अच्छा, बढ़िया 21. लगातार, तड़-तड़ करते हुए।

ऊपर से नीचे

1. शरीर का कोई भाग, शरीर 2. खोज-बीन, जांच-पड़ताल 3. वोट देने का हक 4. जो अत्यधिक शक्तिशाली व कठोर प्रकृति का हो, दृढ़, मजबूत 7. बरसात, पावस, बारिश 8. भरना, अटना, अंदर करना 12. घटना, हादसा, दुर्घटना 13. लिबाज़, पहनने का ढंग 16. नीला वस्त्र पहने वाला, नीला वस्त्र 17. ऐक्य, एक होने का भाव 18. दिल्ली स्थिति प्रसिद्ध जेल।

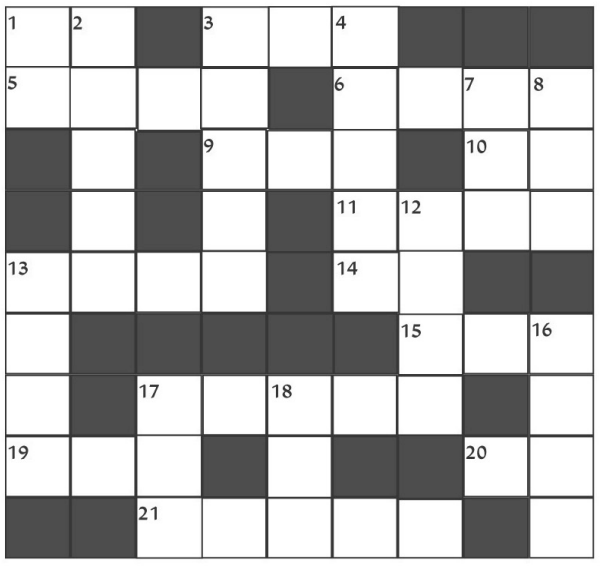

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 68 का हल

वा	स्ता	■	■	सि	स	की	■	■
जि	■	ल	प	ट	■	मा	चि	स
ब	द	ला	■	क	■	■	ल	■
■	■	ट	■	नी	ल	क	म	ल
ता	ली	■	का	■	की	■	■	हू
क	■	स	रो	का	र	■	■	लु
झां	■	ज	बा	न	■	म	सी	हा
क	च	ना	र	■	भा	र्या	■	न
■	र्म	■	■	ज	र	दा	■	■

अक्षय कुमार का गाना शंभू हुआ रिलीज, शिव बन एक्टर ने किया तांडव

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार ने अपनी दमदार एक्टिंग और एक्शन से दर्शकों के दिलों में जगह बनाई हैं। बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार ने अपने अब तक के करियर में कई तरह की भूमिकाएं निभाई हैं। एक्शन से लेकर कॉमेडी और सोशल ड्रामा तक अक्षय ने अपनी हर फिल्म से खूब तारीफ बटोरी है। वहीं अब एक्टर अपनी आवाज का जादू बिखरने के लिए तैयार है। दरअसल अक्षय कुमार एक म्यूजिक वीडियो शंभू में अपना सिंगिंग टैलेंट दिखाते नजर आएंगे। ये गाना आज रिलीज हो गया है।

अक्षय ने हाल ही में रिलीज हुए 'शंभू' नाम के म्यूजिक वीडियो में अपनी आवाज दी है।ये गाना पूरी तरह भगवान शिव को समर्पित एक भक्ति गीत है। इस सॉन्ग अक्षय महादेव के रूप में तांडव करते नजर आ रहे हैं। एक्टर का तांडव देखकर रौंगटे खड़े हो जाएंगे। इतना ही नहीं इस म्यूजिक वीडियो में अक्षय कुमार को देखकर आपको एक्टर की ओएमजी 2 की याद आ जाएगी। इस फिल्म में खिलाड़ी कुमार ने शिव दूत की भूमिका निभाई थी।

अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम पर 'शंभू' की रीलीज का वीडियो शेयर किया है। इसी के साथ एक्टर ने कैप्शन में लिखा है, हमारा दिव्य ट्रिब्यूट 'शंभू' सभी के अनुभव के लिए यहां है। इस गाने में एक्टर माथे पर तिलक लगाए, जटाए रखे हुए शिव के अवतार में काफी इम्प्रेसिव लग रहे हैं। एक्टर की चेस्ट पर एक टैटू भी नजर आ रहा है और वे ग्रे कलर की धोती में दिख रहे हैं। गाने के बोल काफी दमदार हैं और इस सुनने के बाद मन भोले की भक्ति में लीन हो जाता है।शंभू को विक्रम मॉन्ट्रोज़ ने कंपोज किया है और इसके लिरिक्स अभिनव शेखर के हैं। अक्षय ने इसे सुधीर यदुवंशी और विक्रम मॉन्ट्रोज़ के साथ मिलकर गाया है।

अक्षय कुमार खुद को शिव भक्त कहते हैं। वे इससे पहले साल 2०2× में रिलीज हुई फिल्म ओएमजी 2 में शिव दूत के रूप में नजर आए थे। उनके लेटेस्ट रिलीज गाने शंभू में एक्टर का अवतार देखकर ओएमजी 2 की याद आ जाती है। बता दें कि अक्षय कुमार शंभू से पहले भी अपनी आवाज का जादू बिखेर चुके हैं।

अक्षय कुमार की साल 2०24 में कई फिल्में रिलीज होने वाली हैं। फिलहाल एक्टर ने अपनी अपकमिंग एक्शन थ्रिलर फिल्म बड़े मियां छोटे मियां की शूटिंग पूरी की। अली अब्बास जफर द्वारा लिखित और निर्देशित इस फिल्म में टाइगर श्रॉफ भी मुख्य भूमिका में हैं। यह अप्रैल में ईद पर रिलीज होने वाली है। इसके अलावा अक्षय कुमार वेलकम टू जंगल और हेरा फेरी × में भी नजर आएंगें।

क्रैक का नया पोस्टर जारी, अर्जुन रामपाल और विद्युत जामवाल की दुश्मनी से मचेगी तबाही

आदित्य दत्त निर्देशित क्रैक फरवरी के आखिर में रिलीज हो रही है। कुछ दिन पहले आउट हुए शानदार टीजर के बाद से ही ऑडियंस की निगाहें फिल्म के रिलीज डेट पर है। हीरो की भूमिका के लिए पहचाने जाने वाले अर्जुन रामपाल, बड़े पर्दे पर एक्शन हीरो विद्युत जामवाल के साथ पंगे लेते हुए नजर आएंगे। लेटेस्ट पोस्टर फैंस की धड?नें बढ़ाने के लिए काफी है।

एक्शन से भरपूर क्रैक साल 2०24 की मच अवेटेड फिल्मों में से एक है। एक बार फिर विद्युत जामवाल एक्शन अवतार में दिखाई देंगे। उनके साथ कड़ा मुकाबला करने अर्जुन रामपाल आ रहे हैं। पिछले साल 19 दिसंबर को फिल्म का टीजर रिलीज किया गया था। एक सीन में दोनों के बीच खतरनाक लड़ाई की झलक दिखाई गई थी। विद्युत के साथ अर्जुन का भी फाइट सीन देखने लायक था।

टीजर रिलीज के डेढ़ महीने बाद एक बार फिर मेकर्स ने ऑडियंस को एक नए पोस्टर के साथ इंगेज किया है। विद्युत जामवाल ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर क्रैक का नया पोस्टर जारी किया है। पोस्टर में इंटेंस अवतार में विद्युत और अर्जुन चीखते हुए दिखाई दे रहे हैं। दोनों के बाजू पर बम टाइमर लगा हुआ है।

इस पोस्टर को शेयर करते हुए विद्युत ने मजेदार डायलॉग भी बोला है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, डर नहीं डार्लिंग से। क्रैक- जीतेगा तो जीयेगा। इस पोस्टर के साथ विद्युत ने फैंस को फिल्म के ट्रेलर को लेकर बड़ा अपडेट शेयर किया है। उन्होंने बताया कि जल्द ही फिल्म का ट्रेलर जारी होगा। हालांकि, तारीख और समय की घोषणा नहीं की है।

विद्युत जामवाल और अर्जुन रामपाल की क्रैक 2× फरवरी 2०24 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म में नोरा फतेही और एमी जैक्सन भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।

वरुण धवन की बेबी जॉन का फर्स्ट लुक आया सामने, रौंगटे खड़े कर देगा एटली कुमार की फिल्म का टीजर

वरुण धवन की मोस्ट अवेटेड फिल्म वीडी 18 का टीजर रिलीज हो गया है। टीजर के जरिए मेकर्स ने फिल्म का टाइटल से पर्दा उठा दिया है और साथ ही वरुण के फर्स्ट लुक और रिलीज डेट भी जारी कर दी है। टीजर में वरुण की आंखें, उनके तेवर और एक्शन बता रहे हैं कि ये उनकी अब तक की सबसे बड़ी एक्शन एंटरटेनर फिल्म होने वाली है।

एटली और सिने वन स्टूडियोज के साथ ए फॉर एप्पल एंड सिने स्टूडियोज प्रोडक्शन के बैनर तले बनी फिल्म वीडी 18 का टाइटल बेबी जॉन है। फिल्म को ए ।कलीसवरण ने डायरेक्ट किया है। बेबी जॉन में वरुण धवन के साथ कीर्ति सुरेश लीड किरदार में दिखाई देंगी। फिल्म 1 मई, 2०24 को बड़े पर्दे पर रिलीज की जाएगी।

बेबी जॉन में वरुण धवन और कीर्ति सुरेश के अलावा वामिका गब्बी, जैकी श्रॉफ औप राजपाल यादव भी अहम किरदार अदा करते दिखाई देंगे। बेबी जॉन को 2०24 की सबसे बड़ी एक्शन एंटरटेनर बताया जा रहा है। टीजर में वरुण को एक्शन अवतार में देखा जा सकता है। टीजर में बेबी जॉन बने वरुण के चारों तरफ आग ही आग और हथियार दिखाई दे रहे हैं। वहीं चील और भारत के साउथ रा'यों के डांस की झलकियां भी नजर आ रही है।

बता दें कि काफी समय से वरुण धवन की एक्शन एंटरटेनर फिल्म वीडी 18 को लेकर दर्शकों में एक्साइटमेंट थी जो कि टीजर के रिलीज से और बढ़ गई है। क्योंकि ये एक एक्शन से भरपूर फिल्म बताई जा रही है, शायद इसीलिए वरुण धवन फिल्म की शूटिंग के दौरान कई बार घायल भी हो गए थे जिसकी तस्वीरें उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट की थी।

सोशल मीडिया पर जमकर धमाल मचा रही हैं नेहा सिंह

भोजपुरी एक्ट्रेस नेहा सिंह सोशल मीडिया पर हमेशा चर्चा में रहती है। नेहा सिंह की अभी हाल ही में कुछ फोटोज वायरल हो रही हैं। नेहा सिंह इन वायरल हो रही फोटोज में बेहद हौट लग रही हैं। नेहा सिंह की ये बोल्ड फोटोज सोशल मीडिया पर जमकर धमाल मचा रही हैं। नेहा सिंह के नए लुक को देखने के बाद फैंस उन्हें देखते ही रह गए।

नेहा सिंह की जो नई फोटोज सामने आ रही हैं। उन फोटोज में एक्ट्रेस जालीदार ड्रेस में दिखाई दीं। नेहा सिंह की ये ड्रेस लोगों को काफी पसंद आई। नेहा सिंह अपने बालों को खोले हुए दिखाई दीं। नेहा सिंह का ये हेयरस्टाइल खूब वायरल हो रहा है। नेहा सिंह इस तस्वीर में डीपनेक ड्रेस पहने दिखाई दीं। नेहा सिंह की डीपनेक ड्रेस लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींच रही हैं।

नेहा सिंह इस तस्वीर में अपनी कातिलाना अदाएं दिखाती हुई नजर आ रही हैं। नेहा सिंह की ये अदा फैंस का दिल लूट रही है। नेहा सिंह इस तस्वीर में लो मेकअप किए हुए नजर आ रही हैं। नेहा सिंह का ये मेकअप लुक खूब वायरल हो रहा है।

नेहा सिंह तस्वीर में किलर पोज देती हुई नजर आ रही हैं। नेहा सिंह पोज ने लोगों का दिल लूट लिया।

नेहा सिंह इस तस्वीर में अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करती हुई दिखाई दीं। नेहा सिंह का कर्वी फिगर लोगों को दीवाना बना रहा है। नेहा सिंह इस तस्वीर में अपने बोल्ड अंदाज में दिखीं। नेहा सिंह का बोल्ड अंदाज ने लोगों के होश उड़ा दिए। नेहा सिंह इस तस्वीर में बोल्डनेस की सारी हदें पार करती दिखाई दीं। नेहा सिंह की इस बोल्ड तस्वीर को फैंस खूब शेयर कर रहे हैं।

आमिर खान और किरण राव की फिल्म लापता लेडीज का पहला गाना डाउटवा जारी

किरण राव के निर्देशन में बनी जियो स्टूडियोज और आमिर खान प्रोडक्शंस की लापता लेडीज इन दिनों चर्चा में बनी हुई है. हाल में सामने आई फिल्म के ट्रेलर में इसकी मजेदार दुनिया की झलक पेश की, जो खोई हुई दुल्हनों की रोलरकोस्टर सवारी में बसती है. इसने वास्तव में यह देखने के लिए उत्साह बढ़ा दिया है कि निर्देशक किरण राव इस बार क्या लाने वाली हैं. इस बीच मेकर्स ने आज फिल्म का पहला गाना डाउटवा जारी कर दिया है, जिसमें दर्शकों की निगाहें दुल्हन और रवि किशन पर टिकी हुई हैं.

जी हां, लापता लेडीज का ये पहला गाना इसकी हंसी से भरी कहानी का एक व्यापक विवरण देता है. गाने को सुखविंदर सिंह ने गाया हैं और संगीत राम संपत ने दिया हैं जबकि दिव्यनिधि शर्मा ने इसे लिखा हैं. गाने में दुल्हन की तलाश के बीच जो सामने आता है वह मजेदार गड़बड़ है. दुल्हनें तेज़ और संदेह से भरी होती हैं. उनके इरादे अभी तक साफ नहीं हैं लेकिन वे वास्तव में एक बड़ी गड़बड़ी पैदा करने के लिए यहां हैं.

पुलिस दुल्हनों के पीछे है क्योंकि वे ही संदेह का असली मामला हैं. अपनी बेहद दिलचस्प धुनों के साथ, यह गाना ग्रामीण भारत का एक आदर्श सार देता है, जो फिल्म का अहम बैकड्रॉप है. यह गाना वास्तव में एंटरटेनमेंट की एक रोलरकोस्टर राइट की गारंटी है.

जियो स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत, लापता लेडीज किरण राव द्वारा निर्देशित और आमिर खान और 'योति देशपांडे द्वारा निर्मित है. यह फिल्म आमिर खान प्रोडक्शंस और किंडलिंग प्रोडक्शंस के बैनर तले बनाई गई है, जिसकी स्क्रिप्ट बिप्लब गोस्वामी की अवॉर्ड विनिंग कहानी पर आधारित है. फिल्म के स्क्रीनप्ले और डायलॉग को स्नेहा देसाई द्वारा लिखा गया है, जबकि बाकी डायलॉग्स को दिव्यनिधि शर्मा द्वारा लिखा गया है. यह फिल्म 1 मार्च 2०24 को रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार है. (आरएनएस)

इंडिया एलायन्स में सब गडबड!

विनीत नारायण

'इंडिया' एलायंस के घटक दलों ने इतना भी अनुशासन नहीं रखा कि वे दूसरे दलों पर नकारात्मक बयानबाजी न करें। जिसका ग़लत संदेश गया। हिसाब से इस एलायंस के बनते ही सीटों के बंटवारे का काम हो जाना चाहिए था जिससे उम्मीदवारों को अपने-अपने क्षेत्र में जनसंपर्क करने के लिए काफी समय मिल जाता। पर शायद इन दलों के नेता ईडी, सीबीआई और आयकर की धमकियों से डरकर पूरी हिम्मत से एकजुट नहीं हो रहे है, नहीं हो पा रहे है।

देश के मौजूदा राजनैतिक माहौल में लोगों के दो खेमे हैं। एक तरफ वे करोड़ों लोग हैं जो दिलो जान से नरेंद्र मोदी को चाहते हैं और ये मानकर बैठे हैं कि 'अब की बार चार सौ पार।' इनके इस विश्वास का आधार है मोदी की आक्रामक कार्यशैली, श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा, उनका बेहिचक हिंदुत्व का समर्थन करना तथा काशी, उ'जैन, केदारनाथ, अयोध्या, मिर्जापुर और अब मथुरा आदि तीर्थ स्थलों पर भव्य कॉरिडोरों का निर्माण। इनके

अलावा अप्रवासी भारतीयों का भारतीय दूतावासों में मिल रहा स्वागतपूर्ण रवैया, निर्धन वर्ग के करोड़ों लोगों को उनके बैंक खातों में सीधा पैसा ट्रान्सफर और 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन का बाँटना व भविष्य में आर्थिक विकास के बड़े-बड़े दावे।

जबकि दूसरे खेमे के नेताओं और उनके करोड़ों चाहने वालों का मानना है कि देश के युवाओं में इस बात को लेकर भारी आक्रोश है कि दो करोड़ रोजगार हर वर्ष देने का वायदा करके भाजपा की मोदी सरकार देश के नौजवानों को सेना, पुलिस, रेल, शिक्षा व अन्य सरकारी विभागों में नौकरी देने में नाकाम रही है। आज भारत में बेरोज?ारी की दर पिछले 40 वर्षों में सबसे 'यादा है। जबकि मोदी जी के वायदे के अनुसार इन दस वर्षों में 20 करोड़ लोगों को नौकरी मिल जाती तो किसी को भी मुफ्त राशन बाँटने की नौबत ही नहीं आती। क्योंकि रोजगार पाने वाला हर एक युवा अपने परिवार के पांच सदस्यों के पालन पोषण की जिम्मेदारी उठा लेता। यानी देश के 100 करोड़ लोग गरीबी की सीमा रेखा से ऊपर उठ जाते। इसलिए इस खेमे के लोगों का मानना है कि इन करोड़ों युवाओं का आक्रोश भाजपा को तीसरी बार केंद्र में सरकार नहीं बनाने देगा।

विपक्ष के इस खेमे के अन्य आरोप हैं कि भाजपा सरकार महंगाई को काबू नही कर पाई। उसका शिक्षा और स्वास्थ्य बजट लगातार गिरता रहा है। जिसके चलते आज गरीब आदमी के लिए मुफ्त या सस्ता इलाज और सस्ती शिक्षा प्राप्त करना असंभव हो गया है।

इसी खेमे का यह भी दावा है कि मोदी सरकार ने पिछले 10 सालों में विदेशी कर्ज की मात्रा 2014 के बाद कई गुना बढ़ा दी है। इसलिए बजट में से भारी रकम केवल ब्याज देने में खर्च हो जाती है और विकास योजनाओं के लिए मुठ्ठी भर धन ही बचता है। इसका खामियाजा देश की जनता को रोज बढती महंगाई और भारी टैक्स देकर झेलना पड़ता है। इसलिए सेवा निवृत्त लोग, मध्यम वर्ग और व्यापारी बहुत परेशान है।

इसके अलावा विपक्षी दलों के नेता मोदी सरकार पर केन्द्रीय जाँच एजेंसियों व चुनाव आयोग के लगातार दुरूपयोग का आरोप भी लगा रहे हैं। इसी विचारधारा के कुछ वकील और सामाजिक कार्यकर्ता ईवीएम के दुरूपयोग का आरोप लगाकर आन्दोलन चला रहे हैं। दूसरी तरफ इतने लम्बे चले किसान आन्दोलन की समाप्ति पर जो आश्वासन दिए गये थे वो आज तक पूरे नहीं हुए। इसलिए इस खेमे का मानना है कि देश का किसान अपनी फ़सल के वाजिब दाम न मिलने के कारण मोदी सरकार से ख?ा है। इसलिए इनका विश्वास है कि किसान भाजपा को तीसरी बार केंद्र में सत्ता नहीं लेने देगा।

अगर विपक्ष के दल और उनके नेता पिछले साल भर में उपरोक्त सभी सवालों को दमदारी से जनता के बीच जाकर उठाते तो वास्तव में नरेंद्र मोदी के सामने 2024 का चुनाव जीतना भारी पड़ जाता। इसी उम्मीद में पिछले वर्ष सभी प्रमुख दलों ने मिलकर 'इंडिया' एलायंस बनाया था। पर उसके बाद न तो इस एलायंस के सदस्य दलों ने एक साथ बैठकर देश के विकास के मॉडल पर कोई दृष्टि साफ़ की, न कोई साझा एजेंडा तैयार किया, जिसमें ये बताया जाता कि ये दल अगर सत्ता में आ गये तो बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार से कैसे निपटेंगे। न अपना कोई एक नेता चुना।

हालाँकि लोकतंत्र में इस तरह के संयुक्त मोर्चे को चुनाव से पहले अपना प्रधानमंत्री उम्मीदवार तय करने की बाध्यता नहीं होती। चुनाव परिणाम आने के बाद ही प्राय: सबसे 'यादा सांसद लाने वाले दल का नेता प्रधानमंत्री चुन लिया जाता है। पर भाजपा इस मुद्दे पर अपने मतदाताओं को यह समझाने में सफल रही है कि विपक्ष के पास मोदी जी जैसा कोई सशक्त नेता प्रधानमंत्री बनने के लायक़ नहीं है। ये भी बार-बार कहा जाता है कि 'इंडिया' एलायंस के घटक दलों का हर नेता प्रधानमंत्री बनने के सपने देख रहा है।

'इंडिया' एलायंस के घटक दलों ने इतना भी अनुशासन नहीं रखा कि वे दूसरे दलों पर नकारात्मक बयानबाजी न करें। जिसका ग़लत संदेश गया। इस एलायंस के बनते ही सीटों के बंटवारे का काम हो जाना चाहिए था। जिससे उम्मीदवारों को अपने-अपने क्षेत्र में जनसंपर्क करने के लिए काफी समय मिल जाता। पर शायद इन दलों के नेता ईडी, सीबीआई और आयकर की धमकियों से डरकर पूरी हिम्मत से एकजुट नहीं रह पाए। यहाँ तक कि क्षेत्रीय दल भी अपने कार्यकर्ताओं को हर मतदाता के घर-घर जाकर प्रचार करने का काम भी आज तक शुरू नहीं कर पाए। इसलिए ये एलायंस बनने से पहले ही बिखर गया।

दूसरी तरफ भाजपा व आर एस एस ने हमेशा की तरह चुनाव को एक युद्ध की तरह लडने की रणनीति 2019 का चुनाव जीतने के बाद से ही बना ली थी और आज वो विपक्षी दलों के मुकाबले बहुत मजबूत स्थिति में खड़े हैं। उसके कार्यकर्ता घर घर जा रहे हैं। जिनसे एलायंस के घटक दलों को पार पाना, लोहे के चने चबाना जैसा होगा। इसके साथ ही पिछले नौ वर्षों में भाजपा दुनिया की सबसे धनी पार्टी हो गई है। इसलिए उससे पैसे के मामले में मुकाबला करना आसान नहीं होगा।

देश के मीडिया की हालत सभी जानते हैं। प्रिंट और टीवी मीडिया इकतरफा होकर रातदिन केवल भाजपा का प्रचार करता है। जबकि विपक्षी दलों को इस मीडिया में जगह ही नहीं मिलती। जाहिर है कि चौबीस घंटे एक तरफा प्रचार देखकर आम मतदाता पर तो प्रभाव पड़ता ही है। इसलिए मोदी, अमित शाह, नड्डा बार-बार आत्मविश्वास के साथ कहते हैं, अबकी बार चार सौ पार। जबकि विपक्ष के नेता ये मानते हैं कि भाजपा को उनके दल नहीं बल्कि 1977 व 2004 के चुनावों की तरह आम मतदाता हराएगा। भविष्य में क्या होगा ये तो चुनावों के परिणाम आने पर ही पता चलेगा कि 'इंडिया' एलायंस के घटक दलों ने बाजी क्यों हारी और अगर जीती तो किन कारणों से जीती?

झारखंड से शुरू हुई नई परंपरा

मुख्यमंत्री बना और पद पर रहते मुख्यमंत्री के विधानसभा का उपचुनाव हारने का भी रिकॉर्ड बना। मुख्यमंत्री के घर पर बिना समन की छापेमारी का भी अभी रिकॉर्ड बना है और हेमंत सोरेन पहले मुख्यमंत्री बने हैं, जो ईडी के अधिकारियों के साथ इस्तीफा देने राजभवन गए। अब प्रदेश में एक नया प्रयोग हुआ है या यूं कहें कि नई परंपरा शुरू हुई है।

बाल ठाकरे के नेतृत्व वाले शिव सेना के शुरुआती दिनों को अपवाद मान लें तो झारखंड मुक्ति मोर्चा पहली प्रादेशिक पार्टी बनी है, जिसने परिवार से बाहर के किसी व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनाया है। आज तक किसी प्रादेशिक पार्टी ने किसी भी स्थिति में परिवार से बाहर के किसी नेता को मुख्यमंत्री नहीं बनाया है। झारखंड में ईडी के दबाव में हेमंत सोरेन को इस्तीफा देना पड़ा तो उन्होंने मजबूरी में ही सही लेकिन पार्टी के सबसे पुराने नेताओं में से एक चम्पई सोरेन को मुख्यमंत्री बनाया। ऐसा नहीं है कि उनके परिवार में मुख्यमंत्री बनने योग्य लोग नहीं हैं। उनकी भाभी सीता सोरेन तीन बार से विधायक हैं और छोटे भाई बसंत सोरेन भी विधायक हैं। लेकिन हेमंत ने अपनी पत्नी कल्पना सोरेन को सीएम बनाने का प्रयास किया, जो विधायक नहीं हैं। उनके लिए एक सीट भी खाली कराई गई थी लेकिन पार्टी और परिवार में विरोध को देखते हुए और रा'यपाल द्वारा शपथ दिलाने से मना करने की संभावना को भांप कर हेमंत ने चम्पई सोरेन को मुख्यमंत्री बनवाया है।

इससे पहले झारखंड जैसी स्थिति बिहार में पैदा हुई थी। चारा घोटाले से जुड़े मुकदमे में 1997 में बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू प्रसाद के जेल जाने की नौबत आई तो उन्होंने अपनी पत्नी राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री बनवाया। वे पढ़ी लिखी नहीं थीं और विधायक भी नहीं थीं। लेकिन लालू की पार्टी को पूर्ण बहुमत था और वे एकछत्र नेता था। इसके अलावा जितनी भी प्रादेशिक और परिवारवादी पार्टियां हैं उनमें कभी भी किसी बाहरी नेता को मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया। बाल ठाकरे ने जरूर पहले मनोहर जोशी और नारायण राणे को सीएम बनवाया था और रिमोट कंट्रोल से उनको चलाने की बात भी कहते थे लेकिन बाद में उनके बेटे उद्धव ठाकरे ने खुद ही मुख्यमंत्री बनना सही समझा।

बाकी पूरे देश में प्रादेशिक पार्टियों के नेता किसी पर भरोसा नहीं करते हैं। कर्नाटक में एचडी देवगौड़ा ने अपने बेटे एचडी कुमारस्वामी को मुख्यमंत्री बनाया तो तमिलनाडु में करुणानिधि के बेटे एमके स्टालिन सीएम बने। हरियाणा में देवीलाल के बाद ओमप्रकाश चौटाला बने तो उत्तर प्रदेश में मुलायम सिंह के बाद अखिलेश यादव, आंध्र प्रदेश में वाईएसआर रेड्डी के बेटे जगन मोहन व एनटीआर के दामाद चंद्रबाबू नायडू और जम्मू कश्मीर में फारूक अब्दुल्ला के बेटे उमर अब्दुल्ला व मुफ्ती मोहम्मद सईद की बेटी महबूबा मुफ्ती सीएम बनीं। कह सकते हैं कि इन सबके सामने हेमंत सोरेन जैसा संकट नहीं था। संकट काल में ही सही लेकिन झारखंड में एक परंपरा शुरू हुई है। अगर इसका विस्तार होगा तो वह लोकतंत्र के लिए बेहतर होगा।(आरएनएस)

सू- दोकू क्र.69

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.68 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

बैचेन ममता, निशाने पर कांग्रेस!

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी जितना हमला भाजपा पर नहीं कर रही हैं उससे ज्यादा हमला कांग्रेस पर कर रही हैं। कांग्रेस नेता भी ममता को निशाना बना रहे हैं हालांकि राहुल गांधी ने सद्भाव दिखाया है लेकिन प्रदेश के नेताओं पर कोई रोक नहीं है। तभी ऐसा लग रहा है कि बंगाल में ममता का मुकाबला कांग्रेस के साथ है। उन्होंने पहले लेफ्ट मोर्चे को निशाना बनाया और कहा वह आतंकवादी पार्टी है। उन्होंने कांग्रेस को आगाह किया कि वह लेफ्ट के साथ नहीं दिखे। ममता ने यहां तक कहा कि अगर लेफ्ट के नेता राहुल गांधी की यात्रा में शामिल होंगे तो तृणमूल कांग्रेस उससे अलग रहेगी। हालांकि लेफ्ट के नेता नहीं शामिल होते तब भी ममता को यात्रा से दूर ही रहना था।

उन्होंने राहुल की यात्रा बंगाल में घुसने से पहले ही कह दिया था कि वे अकेले सभी सीटों पर लड़ेंगी। सवाल है कि जब उन्होंने अकेले सभी सीटों पर लडने का फैसला कर लिया है तो कांग्रेस की यात्रा में कौन शामिल होता है और कौन नहीं शामिल होता है इससे उनको क्या मतलब है। लेकिन उनको मतलब है क्योंकि उनको लग रहा

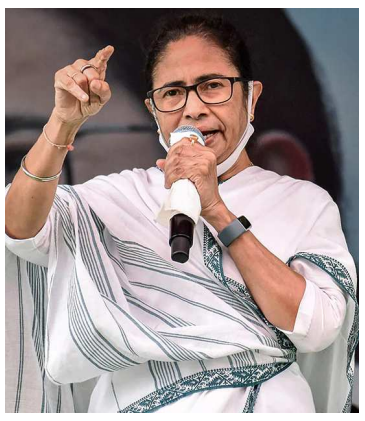

है कि कांग्रेस पार्टी नुकसान पहुंचा सकती है। उनकी ज्यादा चिंता इस बात की है कि अगर कांग्रेस और लेफ्ट मिल कर लड़े तो मुस्लिम मतदाताओं में उसका बड़ा मैसेज होगा। इसका असर मुर्शिदाबाद और माल्दा में होगा, जहां कई सीटें तृणमूल कांग्रेस हार सकती है। अगर दोनों पार्टियों ने मुस्लिम वोट का थोड़ा सा भी बंटवारा करा दिया तो ममता की पार्टी को बड़ा नुकसान हो जाएगा। तभी वे बेचैन हैं। वे कांग्रेस को साथ लाना भी चाह रही हैं और दो से ज्यादा सीट भी देना नहीं चाह रहे हैं। सारी लड़ाई इसी बात की है कि कांग्रेस कम सीट लेकर गठबंधन में आ जाए और लेफ्ट को अकेले छोड़ दिया जाए। (आरएनएस)

केंद्रीय मंत्री केपी गुर्जर ने युवाओं को सौंपे नियुक्ति पत्र

संवाददाता

देहरादून। आईटीबीपी सीमाद्वार में रोजगार मेले के दौरान केन्द्रीय मंत्री केपी गुर्जर ने युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे।

आज यहां सीमद्वार स्थित भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल (आईटीबीपी) सीमाद्वार में रोजगार मेला 2024 का आयोजना किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि रहे भारत सरकार के केन्द्रीय राज्य मंत्री, विद्युत एवं भारी उधोग मंत्रालय कृष्ण पाल गुर्जर। विभिन्न राज्यों एवं केन्द्र शासित राज्यों के 46 केन्द्रों पर विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य के साथ रोजगार मेलों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री गुर्जर ने विभिन केंद्रीय सेवाओं में चयनित 113 से अधिक युवाओं को नियुक्तिपत्र सौंपे। अपने संबोधन में गुर्जर ने कहा कि केन्द्र सरकार का लक्ष्य है कि लोकसभा चुनाव से पहले देश भर के 10 लाख युवाओं को रोजगार दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि चयनित युवाओं को प्रशिक्षण दिया जायेगा और उसके बाद उनकी तैनाती की जायेगी। इस अवसर पर संजय गुंज्याल, भारतीय पुलिस सेवा, महानिरीक्षक, उत्तरी सीमांत, रमाकांत शर्मा, उप महानिरीक्षक, उत्तरी सीमांत, आर.एस. राणा, उप महानिरीक्षक, उत्तरी सीमांत, पवन मलिक, उप महानिरीक्षक, उत्तरी सीमांत, भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल देहरादून, मनु महाराज, भारतीय पुलिस सेवा, उप महानिरीक्षक, देहरादून पीयूष पुष्कर, सेनानी, 23 वीं वाहिनी एवं नव नियुक्त युवा उपस्थित थे।

गांव चलो अभियान के दूसरे दिन मन्दिर परिसर में की साफ सफाई

देहरादून (सं)। गांव चलो अभियान के दूसरे दिन कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने स्वच्छता अभियान चलाकर मंदिर परिसर में साफ सफाई की। आज यहां मसूरी विधानसभा क्षेत्र के गुनियालगांव स्थित चंद्रोटी शिव मंदिर में कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने भारतीय जनता पार्टी के 'गांव चलो अभियान' कार्यक्रम के तहत पूजा अर्चना की। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने गांव चलो अभियान के तहत मंदिर परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया और बूथ कार्यकर्ता कैप्टन जयराम सिंह के आवास पहुंचकर भोजन किया और उन्हें केंद्र तथा राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी दी गई। इस दौरान कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने अभियान के तहत कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी राजकीय इंटर कॉलेज गुनियाल गांव पहुंचकर विद्यार्थियों के साथ संवाद भी किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय के छात्र-छात्राओं से उनका परिचय प्राप्त किया। मंत्री गणेश जोशी ने 10वीं और 12वीं के छात्र छात्राओं को आगामी बोर्ड परीक्षा के लिए शुभकामनाएं भी दी।

जिलाधिकारी ने किये दंगा प्रभावित क्षेत्र के 120 शस्त्र लाइसेंस निरस्त

हमारे संवाददाता

नैनीताल। हल्द्वानी के बनभूलपुरा में बृहस्पतिवार को अतिक्रमण हटाने के दौरान हुए दंगे के बाद से लगातार प्रशासन एवं पुलिस की कार्रवाई जारी है। पुलिस ने इस दंगे में शामिल 30 उपद्रवियों को अभी तक गिरफ्तार किया है। साथ ही बड़ी संख्या में लोगों से पूछताछ की जा रही है। मामले में बड़ी खबर यह निकल कर आ रही है। डीएम नैनीताल वंदना सिंह ने कड़ा एक्शन लेते हुए थाना बनभूलपुरा के अंतर्गत 120 शस्त्र लाइसेंस कैंसल कर दिए हैं। उन्होंने बताया कि मामले की संवेदनशीलता और हालातो को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। ऐसे में वहां के 120 शस्त्र लाइसेंस कैंसल कर दिए गए हैं। फिलहाल अभी वहां पर कर्फ्यू जारी है, लेकिन जरूरत के सामान को प्रशासन द्वारा वहां रहने वाले लोगों को उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अभी और शस्त्र लाइसेंस की जांच की जा रही है और उन पर भी कार्रवाई की जाएगी।

दंगाइयों पर सख्त कार्रवाई में जुटा..

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

पंकज उपाध्याय का कहना है कि नगर निगम की संपत्तियों को नुकसान पहुंचा है उसकी भरपाई दंगाइयों से ही की जाएगी। बनभूलपुरा थाने पर हमला और आगजनी तथा शस्त्रों की लूट करने के मामलों में पुलिस द्वारा 25 लोगों को गिरफ्तार किया गया है जिनका आज मेडिकल कॉलेज में मेडिकल कराया गया जिन्हें आज कोर्ट में पेश किया जा रहा है समाचार लिखे जाने तक कार्यवाही गतिमान थी पुलिस प्रशासन का कहना है कि किसी भी आरोपी को बक्शा नहीं जाएगा। वहीं मुख्य आरोपी व इस षड्यंत्र का मास्टरमाइंड माने जाने वाला अब्दुल मलिक अभी भी पुलिस की पकड़ से दूर है।

हल्द्वानी की घटना दर्शाती है शासन-प्रशासन की नाकामी: कासमी

हमारे संवाददाता

देहरादून। हल्द्वानी की घटना दुर्भाग्यपूर्ण है, तथा यह शासन एवं प्रशासन की नाकामी प्रदर्शित करती है। यह बात आज पलटन बाजार मस्जिद परिसर में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान शहर काजी मुहम्मद अहमद कासमी द्वारा कही गयी।

इस दौरान मुस्लिम सेवा संगठन के अध्यक्ष नईम कुरैशी ने कहा कि जिस प्रकार से मस्जिद एवं मदरसे को ध्वस्त किया गया यह किसी साजिश की ओर इशारा करता है, जिस प्रकार पुलिस द्वारा भीड़ पर गोलाबारी की गई यह न्यायोचित नहीं है। उन्होने कहा कि इस प्रकरण के विरुद्ध हम कोर्ट में जायेंगे, जमात ए इस्लामी के सदस्य लईक अहमद ने कहा कि हल्द्वानी में जो कुछ हुआ जमात ए इस्लामी इसका विरोध करती है और इस प्रकरण को राष्ट्रीय स्तर पर उठाया जायेगा, जमात ए इस्लामी के महासचिव शफी मदनी ने कहा कि हमने हल्द्वानी में दंगा पीड़ित लोगो से बात की वहां के हालात बहुत खराब है हम प्रशासन से मांग करते है कि जल्द से जल्द वहां से कर्फ्यू हटाया जाए और सहायता सामग्री भिजवाई जाए।

मुस्लिम सेवा संगठन के उपाध्यक्ष आकिब कुरैशी ने कहा कि जब नगर आयुक्त का तबादला हो चुका था तो वह प्रशासनिक निर्णय कैसे ले रहे थे। जब यह मामला कोर्ट में था और 14 फरवरी हाई कोर्ट में तारीख लगी हुई थी तो ध्वस्तीकरण किस आदेश के तहत हुआ। नगर निगम के पास परिसर खाली कराने का आदेश था न की ध्वस्तीकरण का। उन्होने कहा कि धरने पर बैठी महिलाओं पर लाठी चार्ज क्यों किया गया, गोली मारने का आदेश मुख्यमंत्री द्वारा रात को दिया गया तो दिन में पुलिस ने किसके आदेश पर और क्यों गोली चलाई, इन सब बातों को लेकर संवैधानिक दायरे में रहते हुए कड़ा विरोध किया जाएगा।

सीएम को काले झंडे दिखाने जा रहे कांग्रेसी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष कैश खुराना के नेतृत्व में काले झंडे लेकर मुख्यमंत्री का विरोध करने जा रहे युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर खड़खड़ी स्थित पुलिस लाइन ले गई, जहां से बाद में उन्हें छोड़ दिया गया। गिरफ्तारी से पूर्व कार्यकर्ताओं और पुलिस में नोंकझोंक और धक्का मुक्की भी हुई। ललतारौ पुल से ऋषिकुल मैदान तक नारेबाजी करते हुए कार्यकर्ता जब शिव मूर्ति के पास पहुंचे तो वहां पुलिस द्वारा बैरीकेटिंग लगाकर उन्हें रोका गया।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष कैश खुराना ने कहा कि महिलाओं का शोषण करने वाली भाजपा सरकार में प्रदेश की बेटी अंकिता भंडारी को न्याय नहीं मिल रहा। सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर हजारों की संख्या में महिलाओं को कार्यक्रम में बुलाया गया है। हरिद्वार विधानसभा अध्यक्ष तुषार कपिल और जिला उपाध्यक्ष लक्ष्य चौहान ने कहा कि भाजपा कभी भी महिलाओं का सम्मान नहीं करती। उनके शासन में महिलाओं पर अत्याचार बढ़ रहे। युवा नेता नितिन तेश्वर और महबूब आलम ने कहा कि सरकार यूसीसी लागू कर सुर्खियां बटोरने का कार्य कर रही जबकि महिलाओं को धोखे में रखा जा रहा है। इस अवसर पर तुषार कपिल, शुभम जोशी, समर्थ अग्रवाल, अनिल कपूर, जितेंद्र सिंह, विकास चंद्रा सहित कई लोग मौजूद रहे।

अपनी मांगों को लेकर उपनल कर्मियों ने किया सचिवालय कूच

संवाददाता

देहरादून। अपनी विभिन्न मांगों को लेकर उपनल कर्मियों ने सचिवालय कूच किया। जहां पर उन्होंने धरना दिया। एक प्रतिनिधिमंडल ने सचिवालय में अधिकारियों से मिल अपना मांग पत्र सौंपा।

आज यहां पूरे प्रदेश के उपनल कर्मी परेड ग्राउंड में एकत्रित हुए। जहां से उन्होंने सचिवालय के लिए कूच किया। जब वह कनक चौक से सचिवालय के लिए चले तो रास्ते में पुलिस ने बैरकेडिंग लगाकर उनको रोक दिया। जहां पर वह धरने पर बैठ गये। जिसके बाद जिला प्रशासन के साथ उपनल कर्मियों का दस सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल सचिवालय में अधिकारियों से वार्ता करने के लिए गया। जहां पर उन्होंने अपना मांग पत्र सौंपा। इस अवसर पर उपनल कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के संयोजक विनोद गोदियाल ने कहा कि उपनल कर्मी विभिन्न विभागों में वर्षो से सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन अब तक उनके सुरक्षित भविष्य के लिए कोई नीति नहीं है। ना तो कर्मचारियों को समय पर मानदेय मिलता है न सेवा विस्तार। उच्च न्यायालय ने वर्ष 2018 में कर्मचारियों के नियमितीकरण के लिए सरकार को आदेश दिया था जिसके खिलाफ सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर कर दी। यहीं नही उपनल कर्मियों को लगातार नौकरी से हटाया जा रहा है। 22 दिसम्बर को उपनल कर्मचारी संयुक्त मोर्चा ने उपनल कर्मियों की लम्बित मांगों को लेकर शासन प्रशासन को मांग पत्र सौंपा था। जिसमें कहा गया था कि 15 जनवरी तक मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो कर्मचारी अनिश्चितकालीन धरने के लिए बाध्य होंगे। उन्होंने मांग की है कि हाईकोर्ट के 2018 के आदेश को तत्काल लागू किया जाये। वर्ष 2021 में उपनल कर्मियों के आंदोलन के दौरान कैबिनेट मंत्रियों की उप समिति की रिपोर्ट लागू हो। 18 जुलाई 2023 को अपर मुख्य सचिव की ओर से जारी आदेश को निरस्त किया जाये। जिसमें स्वीकृत पदो के सापेक्ष नियुक्त कर्मियों को वेतन देने का प्राविधान किया गया है। इसके साथ ही मृतक आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति दी जाये तथा प्रतिवर्ष 20 प्रतिशत वेतन वृद्धि दी जाए।

एक नजर

किसानों के 'दिल्ली चलो' मार्च के मद्देनजर धारा 144 लागू

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 13 फरवरी को किसानों के प्रस्तावित शदिल्ली चलोश मार्च के मद्देनजर सिंघू, गाजीपुर और टिकरी सीमाओं पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है तथा यातायात पाबंदियां भी लागू कर दी गई हैं। एक माह के लिए राजधानी में धारा 144 लगा दी गई है। वाहनों को शहर में प्रवेश करने से रोकने के लिए दिल्ली की सीमाओं की कंक्रीट के अवरोधक और सड़क पर बिछाए जाने वाले लोहे के नुकीले अवरोधक लगाकर किलेबंदी कर दी गई है। इन उपायों से सोमवार को सुबह दिल्ली के सीमावर्ती इलाकों में यातायात की आवाजाही पर असर पड़ा, जिससे यात्रियों को असुविधा हो रही है। दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के लिए रविवार को हरियाणा और उत्तर प्रदेश से लगती शहर की सीमाओं का दौरा किया था। इसके बाद उन्होंने कहा कि पूरी दिल्ली में धारा 144 लगा दी गई है। एक परामर्श के अनुसार, सोमवार से सिंघू सीमा पर वाणिज्यिक वाहनों के लिए यातायात पाबंदियां लागू की गई हैं। मंगलवार से सभी प्रकार के वाहनों पर पाबंदियां लागू होंगी। सड़कों पर कंटीले अवरोधक बिछाए गए हैं ताकि अगर प्रदर्शनकारी किसान वाहनों पर सवार होकर शहर में प्रवेश करने की कोशिश करें तो उनके वाहनों के टायर पंक्चर हो जाए। उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब के ज्यादातर किसान संघों ने फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी को लेकर कानून बनाने समेत अपनी मांगों को स्वीकार करने के लिए केंद्र पर दबाव बनाने के सिलसिले में 13 फरवरी को विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है।

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण ने कांग्रेस से इस्तीफा दिया

मुंबई। लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी को महाराष्ट्र में बड़ा झटका लगा है। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक चव्हाण ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया है। जानकारी के मुताबिक, उन्होंने महाराष्ट्र विधानसभा स्पीकर राहुल नार्वेकर से मुलाकात कर विधायक पद से अपना इस्तीफा सौंप दिया। अशोक चव्हाण काफी दिनों से कांग्रेस से नाराज बताए जा रहे थे। जानकारी के मुताबिक, अशोक चव्हाण जल्द भी भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो सकते हैं। बताया जा रहा है कि बीते कुछ दिनों से वह भाजपा के संपर्क में हैं और पार्टी की ओर से उन्हें बड़ा ऑफर भी दिया गया है। इससे पहले महाराष्ट्र कांग्रेस के बड़ नेता और पूर्व सांसद मिलिंद देवड़ा ने भी पार्टी से इस्तीफा दिया था। उन्होंने 14 जनवरी को इस्तीफा दिया था, इसी दिन राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा की शुरुआत हुई थी। इसके बाद देवड़ा एकनाथ शिंदे वाली शिवसेना में शामिल हो गए। अशोक चव्हाण के इस्तीफे के बाद महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र में कई विपक्षी पार्टियों के नेता भाजपा के संपर्क में हैं। इसमें विशेषकर कांग्रेस के बड़े नेता हमारे संपर्क में हैं,

रतन टाटा ने मुंबई में 165 करोड़ रुपये की लागत से बनाया कुत्तों का हॉस्पिटल

मुंबई। रतन टाटा देश के सबसे लोकप्रिय उद्योगपतियों में से एक हैं। टाटा समूह बड़े स्तर पर दान करता है। रतन टाटा को खास तौर पर कुत्तों से बड़ा लगाव है। उनका ड्रीम प्रोजेक्ट एक डॉग हॉस्पिटल बनाना था जो अब पूरा हो चुका है। वह देशभर में डॉग हॉस्पिटल्स बनाना चाहते हैं और इसकी शुरुआत मुंबई से हो चुकी है। 165 करोड़ रुपये की लागत से बने इस डॉग हॉस्पिटल का उद्घाटन अगले महीने हो सकता है। रतन टाटा ने कहा है कि डॉग एक परिवार के किसी दूसरे सदस्य की तरह ही होता है। उन्होंने कहा, मैंने जीवनभर कई पेट्स रखे हैं और मुझे इस हॉस्पिटल की अहमियत पता है। उन्होंने एक पुराना वाकया याद करते हुए कहा कि उन्हें एक बार एक कुत्ते को यूनिवर्सिटी ऑफ मिनिसोटा ले जाना पड़ा था क्योंकि उसे जॉइंट रिप्लेसमेंट की जरूरत थी लेकिन वह समय पर नहीं पहुंच सके और कुत्ते के जॉइंट एक पोजिशन में फिक्स करना पड़ा। उन्होंने कहा, इस घटना ने मुझे दिखाया कि एक वर्ल्ड क्लास वेटनेरी हॉस्पिटल क्या कर सकता है। इस हॉस्पिटल को बनाने में 165 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। यह एक 5 मंजिला इमारत है जिसमें 200 पालतू जानवरों का एक समय पर इलाज हो सकता है। यहां डॉक्टरों की पूरी एक टीम होगी जिसका नेतृत्व ब्रिटिश डॉक्टर थॉमस हीथकोट करेंगे। वह इसके लिए मुंबई शिफ्ट हो गए हैं।

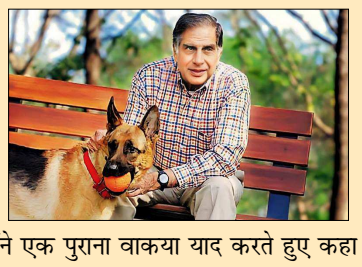

हाईकोर्ट की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश ने संभाला कार्यभार

हमारे संवाददाता

नैनीताल। उत्तराखण्ड हाईकोर्ट की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश ने फुल कोर्ट रैफरेंस के साथ ही आज कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इस मौके पर रजिस्ट्रार जनरल ने प्रोसिडिंग शुरू करने की अनुमती मांगी और महाधिवक्ता के साथ उच्च न्यायालय बार के अध्यक्ष ने उनका स्वागत किया। वरिष्ठ न्यायमूर्ति मंनोज तिवारी ने न्यायालय में मौजूद सभी लोगों का स्वागत किया।

नैनीताल स्थित उच्च न्यायालय में आज हरियाणा उच्च न्यायालय से ट्रांसफर होकर पहुंची महिला मुख्य न्यायाधीश ऋतु बाहरी ने मुख्य न्यायाधीश के पद पर कार्यभार संभाल लिया है। 1962 में हरियाणा में जन्मी ऋतु की पारिवारिक पृष्ठभूमि अधिवक्ता परिवार से रही है। चंडीगढ़ से शिक्षा ग्रहण कर उन्होंने वकालत की और वहीं उच्च न्यायालय में प्रेक्टिस शुरू कर दी। ऋतु, हरियाणा हाईकोर्ट की महाधिवक्ता और फिर 16 अगस्त 2010 को वहीं न्यायाधीश बनी।

पिछले वर्ष वह मुख्य न्यायाधीश के रूप में एलिवेट हुई थी। ऋतु ने देहरादून में राज्यपाल के सम्मुख पद और गोपनीयता की शपथ ली। उन्होंने आज अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि वह खुले दिमाग से काम करेंगी और इस न्यायालय के युवा अधिवक्ताओं को नए सुझावों के साथ आमंत्रित कर उसपर विचार करेंगी। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि विषम पहाड़ी क्षेत्रों में जरूरतमंदों को आसान न्याय देने के लिए तरीकों पर विचार किये जा रहे हैं।

उच्च न्यायालय बार के अध्यक्ष डी. सी.एस.रावत ने उन्हें कहा कि राज्य में महिला शक्तिकरण का दौर है। राज्य में पहली महिला मुख्य सचिव के साथ जिलाधिकारी भी महिला हैं। अब मुख्य न्यायाधीश भी महिला होने से यह शक्ति और भी बढ़ गई है। महाधिवक्ता एस. एन.बाबुलकर ने भी मुख्य न्यायाधीश का स्वागत किया और उन्हें शुभकामनाएं दीं। डायस पर वरिष्ठ न्यायाधीश मंनोज कुमार तिवाड़ी, न्यायमूर्ति रविन्द्र मैठाणी, न्यायमूर्ति आलोक कुमार वर्मा, न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल, न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित और न्यायमूर्ति विवेक भारती शर्मा के साथ रजिस्ट्रार जनरल आशीष नैथानी व अन्य मौजूद रहे। इस मौके पर पूर्व न्यायाधीश यू.सी.ध्यानी, आलोक सिंह, बी.एस.वर्मा, राजेश टंडन, सी.एस.सी. चंद्रशेखर सिंह रावत, वरिष्ठ न्यायाधीश अवतार सिंह रावत, देवेंद्र पाटनी, मो. सय्यद मून, गौरव अधिकारी, विनय कुमार समेत डी.आई.जी.योगेंद्र सिंह रावत, जिलाधिकारी वंदना सिंह, एस.एस.पी. प्रह्लाद सिंह मीणा, एस.डी.एम.प्रमोद कुमार आदि उपस्थित रहे।

मालीश के बहाने निकाल ली सोने की अंगूठी

संवाददाता

देहरादून। मालिश के बहाने हाथ से सोने की अंगूठी निकालकर आरोपी फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार टर्नर रोड निवासी अंकुर दीक्षित ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पिता केवी दीक्षित की उम्र 82 वर्ष है। उसके पिता सांय पांच बजे टर्नर रोड पर अपने मित्रों के साथ घुमने जा रहे थे जब उसके पिता नूर टैंट हाउस के पास पहुंच तो एक अंजान व्यक्ति उसके पिता को मिला कहने लगा कि आपको शुगर की परेशानी है। वह उसे तुरन्त ठीक कर सकता है। उसके पिता को कहा कि वह तेल की शीशी लेकर मोड के पास नाई की दुकान पर पहुंचो इलाज वहां पर करेगा। उसके पिता तेल की शीशी लेकर नाई की दुकान पर पहुंचे वह उसके पिता को लेकर फोटो स्टेट की दुकान के अन्दर ले गया जहां पर मालिश करने के बाहने उसने उसके पिता के हाथों से सोने की अंगूठी लेकर वहां से फरार हो गया।

दो दुपहिया वाहन चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने दो स्थानों से दो दुपहिया वाहन चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कुल्हाल निवासी इरशाद ने विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी मोटरसाईकिल कुंजा ग्रान्ट खेल मैदान के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। वहीं टमाटर वाली गली गांधी ग्राम निवासी जहांगीर कुरैशी ने पटेलनगर कोतवाली में अपनी एक्टिवा गुलाटी स्वीट शॉप के बाहर से चोरी होने का मुकदमा दर्ज कराया।

दोस्त की हत्या करने वाला एक हत्यारा दबोचा, मुख्य आरोपी फरार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। प्रपोज डे पर अपने ही दोस्त की प्रेमिका को प्रपोज करना एक युवक को भारी पड़ गया। दोस्त ने अपने साथी के साथ मिलकर उसे मौत के घाट उतार दिया। मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि मुख्य आरोपी की तलाश में दबिश दी जा रही है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज देर शाम थाना कलियर क्षेत्रांतर्गत युवकों के बीच चाकूबाजी होने की सूचना पर पुलिस टीम घायल का इलाज कर रहे निजी अस्पताल पहुंची। युवक की हालत गंभीर देखते हुए उसे सिविल अस्पताल रुड़की रेफर किया गया जहां डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। मृतक की मां की तहरीर पर पुलिस ने थाना कलियर में मुकदमा दर्ज कर हत्यारों की तलाश शुरू कर दी गयी। हत्यारों की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा आज

सुबह भागने की फिराक में लगे आरोपित मुराद अली पुत्र जहीर हसन निवासी रहमतपुर थाना कलियर को इमाम साहब रोड़ के पास से दबोचकर उसकी निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल किए गए खून लगे चाकू को बरामद किया गया।

पुलिस अब मामले में मुख्य आरोपी की तलाश में जुटी हुई है। बताया जा रहा है कि मृतक का कुछ दिन पहले अपने दोस्त (मुख्य आरोपी) की महिला मित्र को प्रपोज करना दोस्तों के बीच दरार और झगड़े की वजह बना। कबूतरखाने के पास हुए इस विवाद के बढ़ने पर मुख्य आरोपी ने पकड़े गए आरोपित मुराद अली की मदद से पहले मृतक को पीटा और फिर दोनों आरोपियों ने चाकू से मृतक के पेट के पास वार कर मौके से फरार हो गए थे।

चोरी के गैस सिलेण्डर व चूल्हे के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चोरी के गैस सिलेण्डर व चूल्हे के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रतीत नगर निवासी रेखा रतूडी ने रायवाला थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि चोरों ने उसके घर से गैस सिलेण्डर व चूल्हा चोरी कर लिया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने थोडी देर बाद ही एक युवक को चोरी के गैस सिलेण्डर व चूल्हे के साथ एक को गिरफ्तार कर लिया। जिसने अपना नाम सूरज थापा पुत्र भोज बहादुर थाना निवासी मुर्गी फार्म प्रतीत नगर बताया।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।